सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

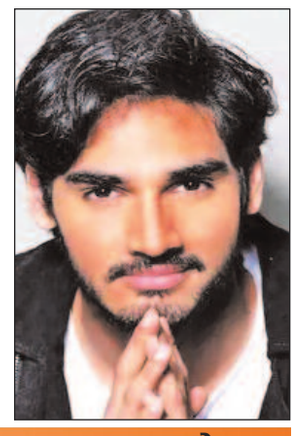

टी20 मुकाबले दिन में कराये जायें: अश्विन पेज: 7

'सैयारा फेम अहान पांडे से कंपैरिजन पर या बोले अहान शेट्टी? पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 288 | बुधवार 28 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी का चौंकाने वाला फैसला, छोड़ेंगी किन्नर अखाड़ा का महामंडलेश्वर पद, जानें कारण

नई दिल्ली एजेंसी: पूर्व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने किन्नर अखाड़ा के महा मंडलेश्वर पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा है कि यह निर्णय स्वेच्छा से और उचित मानसिक स्थिति में लिया गया है। उनके बयान के अनुसार, उनका इस्तीफा 27 जनवरी, 2026 से प्रभावी होगा। अपने संदेश में ममता कुलकर्णी ने स्पष्ट किया कि उनका यह निर्णय अखाड़ा के भीतर किसी भी विवाद या मतभेद से संबंधित नहीं है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि उन्हें डॉ. आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी से कोई शिकायत नहीं है और उन्हें सौंपे गए इस पद के लिए उन्होंने आभार और सम्मान व्यक्त किया। अपने इस निर्णय की व्याख्या करते हुए ममता कुलकर्णी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा कि उनकी आध्यात्मिक यात्रा को अब एक अलग मार्ग की आवश्यकता है।

यूजीसी नियमों पर धर्मेंद्र प्रधान का आश्वासन, नहीं होने देंगे किसी का उत्पीड़न

नई दिल्ली एजेंसी: यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट किया है कि इन प्रावधानों का किसी भी तरह से दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी के साथ भेदभाव या अत्याचार के लिए इन नियमों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा और सरकार इसकी पूरी निगरानी करेगी। भेदभाव नहीं होगा, दुरुपयोग की इजाजत नहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि वह सभी को आश्वस्त करते हैं कि किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा और कोई भी इस कानून का गलत इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। उन्होंने बताया कि यह पूरी व्यवस्था सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में आई है और संविधान की परिधि के भीतर ही लागू की जा रही है। सरकार

और यूजीसी की जिम्मेदारी तय धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि चाहे यूजीसी हो, केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, सभी के दायित्व स्पष्ट हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि किसी वर्ग, समुदाय या व्यक्ति के साथ अन्याय न हो और नियमों का उद्देश्य उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, न्यायसंगत और जवाबदेह बनाना है। गुणवत्ता और अधिकारों की सुरक्षा यूजीसी का कहना है कि नए नियमों का मकसद शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता बढ़ाना और छात्रों, शिक्षकों व अन्य हितधारकों के अधिकारों की रक्षा करना है। आयोग के अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि नियमों के लागू होने से किसी का उत्पीड़न नहीं होगा और सभी आशंकाओं को दूर करने के लिए संवाद का रास्ता खुला रहेगा। विवाद

याचिकाकताओं का आरोप है कि ये नियम सामान्य....

यूजीसी के नए नियमों का लगातार विरोध हो रहा है और इन्हें सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी गई है। याचिकाकताओं का आरोप है कि ये नियम सामान्य वर्ग के लिए भेदभावपूर्ण हैं और इससे उनके मौलिक अधिकारों का हनन होता है। विरोध करने वालों का कहना है कि नियमों में केवल पिछड़े वर्गों के छात्रों की शिकायतों पर कार्रवाई का प्रावधान है

और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती यूजीसी के नए नियमों का लगातार विरोध हो रहा है और इन्हें सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी गई है। याचिकाकताओं का आरोप है कि ये नियम सामान्य वर्ग के लिए भेदभावपूर्ण हैं और इससे उनके मौलिक अधिकारों का हनन होता है। विरोध करने वालों का कहना है कि नियमों में केवल पिछड़े वर्गों के छात्रों की शिकायतों पर कार्रवाई का प्रावधान है, जबकि सामान्य वर्ग की शिकायतों और गलत शिकायत करने वालों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में व्यवस्था इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि वह पूरी विनम्रता के साथ सभी को आश्वस्त करना चाहते हैं कि किसी का उत्पीड़न नहीं होगा। उन्होंने दोहराया कि भेदभाव के नाम पर किसी को भी नियमों का अनुचित इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं रहेगा और पूरी प्रक्रिया संविधान के दायरे में रहेगी। 13 जनवरी से लागू हुए नए नियम गौरतलब है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 13 जनवरी को प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन 2026 लागू किया है। इसके तहत सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में इक्विटी कमेटी गठित करने और भेदभाव विरोधी नीति लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। इन नियमों का उद्देश्य कैंपस में जाति, धर्म, लिंग, जन्मस्थान, विकलांगता समेत किसी भी आधार पर होने वाले भेदभाव को पूरी तरह समाप्त करना है।

हरियाणा प्रधानमंत्री के विकसित भारत संकल्प को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा: सीएम सैनी

चंडीगढ़ एजेंसी: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप तेजी से प्रगति कर रहा है। गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद यहां ताऊ देवी लाल स्टेडियम में एक सभा को संबोधित करते हुए सैनी ने कहा कि राज्य सरकार जनता की, जनता द्वारा और जनता के लिए सरकार के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गरीबों के उत्थान के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं और ये राज्य भर में प्रभावी ढंग से लागू की जा रही हैं। दिन में इससे पहले मुख्यमंत्री ने वीर शहीदी स्मारक पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में उन्होंने परेड का निरीक्षण

किया। सैनी ने कहा कि भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और विश्व मंच पर एक नयी पहचान स्थापित कर रहा है, जो प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। अक्टूबर 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले किए गए वादों पर बोलते हुए, सैनी ने कहा कि सरकार ने 54 वादे पूरे कर दिए हैं, जबकि शेष 163 वादों का काम प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 11 वर्षों में योग्यता के आधार पर पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियां दी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा ने राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं की वजह से हरियाणा घरेलू और विदेशी निवेशकों के लिए पसंदीदा स्थान बन गया है। पिछले 11 वर्षों में 12.92 लाख सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) स्थापित हुए हैं, जिनसे लगभग 49 लाख लोगों को रोजगार मिला है। सैनी ने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं की भागीदारी के बिना विकसित हरियाणा का सपना अधूरा है। उन्होंने इस दशक को महिलाओं की शक्ति का दशक बताया और कहा कि सरकार ने उनकी सेहत, सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं।

अखिलेश यादव का बड़ा आरोप, बोले- पश्चिम बंगाल में एसआईआर की आड़ में एनआरसी करा रही बीजेपी

लखनऊ एजेंसी: समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को दावा किया कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई), सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की आड़ में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) अभियान चला रहा है और साथ ही आम जनता को परेशान कर रहा है। उन्होंने आगे दावा किया कि ईसीआई यह एसआईआर अभियान केवल पश्चिम बंगाल के लिए चला रहा है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 के पहले छमाही में होने की उम्मीद है। यहाँ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यादव ने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वह मतदान में वृद्धि सुनिश्चित करे, लेकिन पहली बार

ऐसा देखा जा रहा है कि चुनाव आयोग और भाजपा, एसआईआर की आड़ में, एनआरसी चला रहे हैं और आम जनता को परेशान कर रहे हैं, और उनका उद्देश्य अधिक वोटों की कटौती करना है। जबकि उनकी जिम्मेदारी मतदाताओं की मदद करना है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पूरे देश में अगर कोई भाजपा को टक्कर दे रहा है, तो वह ममता बनर्जी ही हैं। यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि पश्चिम बंगाल की जनता भाजपा को हराएगी और ममता बनर्जी फिर से मुख्यमंत्री बनेंगी। ह्लअगर कोई भाजपा को टक्कर दे रहा है, तो वो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं। भाजपा द्वारा लाया गया एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) केवल पश्चिम बंगाल के लिए है, हालांकि इसे बिहार में भी लागू किया गया था। सपा प्रमुख ने कहा कि जब भी चुनाव होते हैं, चुनाव आयोग अधिक से अधिक लोगों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु अभियान चलाता है, लेकिन एसआईआर के नाम पर ठीक उल्टा हो रहा है। बंगाल में एसआईआर के नाम पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को परेशान किया जा रहा है। देश में अतीत में एसआईआर के नाम पर किसी को परेशान नहीं किया गया। मुझे विश्वास है कि वह फिर से मुख्यमंत्री बनेंगी। बंगाल की जनता भाजपा को हराएगी। वे हमारे देश की धर्मनिरपेक्षता के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में अधिक वोट काटे जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईडी को हरा दिया है।

निलंबित मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री की मांग- 'राष्ट्रपति शासन लागू करो'

बरेली एजेंसी: मंगलवार को जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बात करते हुए निलंबित बरेली नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने जिला प्रशासन पर उत्पीड़न और जाति आधारित दुर्व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए। पत्रकारों को संबोधित करते हुए अग्निहोत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के आचरण पर सवाल उठाए और व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैं जिला मजिस्ट्रेट से पूछना चाहता हूं कि उन्हें कल रात किसने फोन किया था और कौन मुझे पंडित होने के कारण गाली दे रहा है, और वह व्यक्ति किस विचारधारा का है? संवैधानिक प्रक्रियाओं के टूटने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था को बहाल करने के लिए राष्ट्रपति शासन लागू किया जाना चाहिए। आम जनता सरकार के खिलाफ हो गई है। यह विरोध प्रदर्शन अग्निहोत्री के नगर

मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें जिला मजिस्ट्रेट के शिविर कार्यालय में रात भर बंधक बनाकर रखने की सुनियोजित साजिश रची गई थी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मैंने कल ही अपना इस्तीफा दे दिया था। जिला मजिस्ट्रेट के शिविर कार्यालय में फोन आया कि इस 'पंडित' को पूरी रात वहीं बैठाकर रखा जाए और उसे कहीं जाने न दिया जाए। अग्निहोत्री ने बताया कि जब उन्हें लगा कि उन्हें उनकी इच्छा के विरुद्ध बंधक बनाया जा रहा है, तो उन्होंने बार एसोसिएशन और मीडिया को सूचित किया। उन्होंने कहा, "जब उन्हें पता चला कि मीडिया को मुझे बंधक बनाने की योजना की जानकारी है, तो मुझे जाने दिया गया।" उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यह घटना उन्हें बयान जारी करने के लिए मजबूर करने और फिर अलग आधार पर निलंबित करने की साजिश का हिस्सा थी। जांच की मांग करते हुए अग्निहोत्री ने कहा कि फोन पर हुई बातचीत और उनके निलंबन से जुड़े हालातों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाना चाहिए।

प्रेमानंद महाराज की तस्वीर देख पसीज गया चोर का दिल, चोरी कर वापिस लौटाया मोबाइल

नई दिल्ली एजेंसी: सोशल मीडिया पर आए दिन कोई न कोई वीडियो वायरल होता रहता है। इन दिनों संत प्रेमानंद महाराज का एक वीडियो फिर से काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अपनी जिंदगी का एक ऐसा किस्सा सुनाता है कि वहां मौजूद सभी लोगों को हैरान कर दिया और खुद महाराज भी ठहाके लगाकर हंसने लगे। जानते हैं कि क्या है ये किस्सा भक्त ने महाराज को बताया कि उसका मोबाइल फोन चोरी हो गया था। फोन की लॉक स्क्रीन पर प्रेमानंद महाराज की ही तस्वीर लगी हुई थी। जब चोर ने फोन को अनलॉक करने या चलाने की कोशिश की, तो उसकी नजर महाराज की तस्वीर पर पड़ी। भक्त के अनुसार, महाराज की सौम्य छवि और उनके प्रति श्रद्धा का चोर पर ऐसा असर हुआ कि उसका हृदय परिवर्तन हो गया। चोर ने

मोबाइल के असली मालिक को फोन वापस लौटा दिया। महाराज की प्रतिक्रिया ने जीता दिल जब भक्त ने यह बात महाराज को बताई, तो वे अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उन्होंने बड़े ही सहज भाव से मुस्कुराते हुए इस घटना का आनंद लिया। सोशल मीडिया पर लोग इस वीडियो को 'इंसानियत और संस्कार की जीत' बता रहे हैं। यूजर्स का कहना है कि यह संतों की वाणी और उनके व्यक्तित्व का ही प्रभाव है कि एक अपराधी के मन में भी धर्म और ग्लानि का भाव पैदा हो गया।

आदिवासियों ने किया उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आवास का घेराव, आश्वासन के बाद समाप्त हुआ आंदोलन

मुंबई एजेंसी: मुंबई की 'फेफड़े' कहे जाने वाले संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के वन क्षेत्रों में पीढ़ियों से रह रहे आदिवासियों और प्रशासन के बीच तनाव चरम पर है। सोमवार को प्रशासन द्वारा आदिवासियों की बस्तियों को ध्वस्त किए जाने के विरोध में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के ठाणे स्थित आवास के बाहर रातभर जोरदार प्रदर्शन किया। आदिवासियों के आवास तोड़े जाने के खिलाफ एकनाथ शिंदे के घर के बाहर प्रदर्शन प्रदर्शनकारियों का दावा है कि वे पीढ़ियों से इस क्षेत्र में रह रहे हैं। उन्होंने सोमवार को प्रशासन द्वारा उनके आवासों पर की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई की निंदा की और देर रात शिंदे के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। राज्य आदिवासी विकास समिति के अध्यक्ष विवेक पंडित ने कहा कि जब तक 2018 की पुनर्वास योजना लागू नहीं हो जाती और प्रभावित परिवारों को फिर

से बसाया नहीं जाता, तब तक तोड़फोड़ नहीं होनी चाहिए। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले संगठन के एक पदाधिकारी के अनुसार, पुनर्वास योजना पर चर्चा का आश्वासन मिलने के बाद आदिवासियों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया है। क्या है पूरा विवाद? संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत आने वाली आदिवासी बस्तियों पर सोमवार को प्रशासन ने तोड़फोड़ की कार्रवाई की। इस कार्रवाई से नाराज आदिवासियों का कहना है कि वे इन जंगलों में कई पीढ़ियों से रह रहे हैं और उनके पास यहाँ रहने का अधिकार है। बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के उनके घरों को उजाड़ना उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन है। मुख्य मांगें और 'पुनर्वास योजना' का पेच राज्य आदिवासी विकास समिति के अध्यक्ष और पूर्व विधायक विवेक पंडित ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई पर कड़े सवाल उठाए हैं: पुनर्वास की शर्त: विवेक पंडित का कहना है कि जब तक 2018 की पुनर्वास योजना (Rehabilitation Scheme) को पूरी तरह लागू नहीं किया जाता, तब तक किसी भी घर को हाथ नहीं लगाया जाना चाहिए।

गणतंत्र दिवस पर सीट को लेकर कांग्रेस-बीजेपी में 'महाभारत', खरगे ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली एजेंसी: गणतंत्र दिवस समारोह में बैठने की व्यवस्था को लेकर मंगलवार को भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी बहस हुई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर 2016 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए जानबूझकर विपक्ष का अपमान करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर दो विपक्षी नेताओं को समारोह के दौरान तीसरी पंक्ति में बैठाकर संविधान का अपमान करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने गणतंत्र दिवस परेड के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित स्वागत समारोह के दौरान असमिया गमोसा को लेकर उठे विवाद पर भी स्पष्टीकरण दिया। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राहुल गांधी ने 'गमोसा' पहना था। खाना खाते समय उन्होंने उसे मोड़कर रख दिया। भाजपा इसे मुद्दा बना रही है। गणतंत्र दिवस परेड के दौरान दो विपक्षी नेताओं को तीसरी पंक्ति में बैठाकर वे संविधान का अपमान कर रहे हैं। हम भी राज्य मंत्रियों के साथ भारत के राष्ट्रपति से मिलने के लिए कतार में खड़े थे। वे जानबूझकर विपक्ष का इतना अपमान कर रहे हैं... मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं जब वे (भाजपा) कहते हैं कि कांग्रेस

पूर्वोत्तर का अपमान करने के लिए ऐसा कर रही है। वे ऐसा सिर्फ कांग्रेस को अपमानित करने और आगामी चुनावों के लिए कर रहे हैं। खरगे ने कहा कि मैं सबसे वरिष्ठ नेता हूं, वे मुझे तीसरी पंक्ति में और राज्य मंत्रियों

गणतंत्र दिवस समारोह में बैठने की व्यवस्था को लेकर राजनीतिक विवाद छिड़ गया है, जहाँ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर विपक्ष का जानबूझकर अपमान करने का आरोप लगाया है। इसके जवाब में, भाजपा ने राष्ट्रपति के स्वागत समारोह में राहुल गांधी द्वारा 'गमोसा' न पहनने को पूर्वोत्तर की संस्कृति का अपमान बताते हुए कांग्रेस पर पलटवार किया है।

के साथ कैसे बिठा सकते हैं? आपने मेरा, कांग्रेस का और संविधान का अपमान किया है। इससे पहले, भाजपा ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित गृह सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अनुरोध के बावजूद पटका न पहनने के कारण राहुल गांधी पर पूर्वोत्तर की संस्कृति और लोगों का अपमान करने का आरोप लगाया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने राहुल गांधी के इस कदम की कड़ी निंदा की और कहा कि इससे उत्तर के प्रति उपेक्षा की भावना और मजबूत होती है। भाजपा नेताओं के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों सहित गृह स्वागत समारोह में सभी ने पटका पहना था। असम के मुख्यमंत्री ने पर एक पोस्ट में कहा, समय बदल सकता है, लेकिन कांग्रेस पार्टी के वास्तविक सर्वोच्च नेता राहुल गांधी का रवैया अफसोसजनक रूप से अपरिवर्तित प्रतीत होता है।

पूर्वोत्तर के लोगों के प्रति घोर असंवेदनशील और अपमानजनक कृत्य करते हुए, गांधी ने आज शाम भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक पारंपरिक पटका को नहीं पहना।

संपादकीय

सब कुछ डॉनल्ड ट्रंप पर निर्भर

ग्रीनलैंड मामले में हकीकत यह है कि सब कुछ डॉनल्ड ट्रंप पर निर्भर है। अगर उनके अमेरिका फर्स्ट की सोच में अपने सहयोगी देशों को निगलना भी शामिल है, तो फिर उन्हें कैसे रोका जाएगा, यह साफ नहीं है। ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने के डॉनल्ड ट्रंप के जुनून से यूरोप में गुस्सा तो फैला है, लेकिन एक किस्म की लाचारी का अहसास भी वहां है। यूरोपीय नेता जानते हैं कि ट्रंप अपने इरादे पर अड़े रहे, तो उन्हें रोकना आसान नहीं होगा। इसलिए आठ यूरोपीय देशों के नेताओं के डेनमार्क से एकजुटता जताने और यूरोप-अमेरिका के संबंधों पर खराब असर की चेतावनी देने का व्यावहारिक मतलब कम ही है। ग्रीनलैंड मुद्दे पर अमेरिका का विरोध कर रहे देशों के ऊपर 10 फीसदी टैरिफ लगाने के ट्रंप के एलान के बाद जारी साझा बयान में इन नेताओं ने उपरोक्त बातें कही हैं। उधर यूरोपियन यूनियन की विदेश नीति प्रमुख काया केलास ने चीन और रूस का खतरा दिखाते हुए ट्रंप प्रशासन का विवेक जगाने की कोशिश की है।

बहरहाल, सवाल यही है कि ट्रंप ने अपना रुख नहीं बदला, तो यूरोप क्या करेगा? दूसरे विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने अपनी खास योजना-मार्शल प्लान-के तहत यूरोप को ढाला। नतीजतन, उसकी सुरक्षा के सूत्र हमेशा अमेरिका के हाथ में रहे। आज भी पूरे यूरोप में लगभग 76, 000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। यूरोप के 80 प्रतिशत तक हथियार अमेरिकी कंपनियां सप्लाई करती हैं। जिस नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) के भरोसे यूरोप के देश सुरक्षित रहते आए हैं, उनका निर्विवाद नेता अमेरिका है। 1990 के दशक के बाद यूरोप की वित्तीय व्यवस्था भी अभिन्न रूप से अमेरिका से जुड़ गई। तब अमेरिकी मंशा से अलग निर्णय लेने की यूरोप की रणनीतिक स्वतंत्रता और सिकुड़ गई। इस दौर में अमेरिका का पिछलग्गू बन कर यूरोप ने अपना नैतिक बल और भी गंवा दिया। मसलन, ताजा प्रकरणों को ही देखें, तो एक संप्रभु देश- वेनेजुएला- के राष्ट्रपति के अपहरण पर अगर-मगर भरा रुख अपनाने के बाद ग्रीनलैंड मुद्दे पर यूरोपीय नेता जब डेनमार्क की संप्रभुता का समर्थन करते हैं, तो बाकी दुनिया को उनकी बातें विडंबनाभरी नजर आती हैं। इसीलिए हकीकत यह है कि सब कुछ ट्रंप पर निर्भर है। अगर उनके अमेरिका फर्स्ट की सोच में अपने सहयोगी देशों को निगलना भी शामिल है, तो फिर उन्हें कैसे रोका जाएगा, यह साफ नहीं है।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दु?ख देता है और न सुख।

इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है।

सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

लाला लाजपत रायः जिनकी लाठी ने आजादी की नींव और मजबूत की

सुनील कुमार महला

28 जनवरी को महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, आर्य समाज के प्रमुख विचारक तथा प्रखर राष्ट्रवादी नेता लाला लाजपत राय की जयंती मनाई जाती है। अपनी ओजस्वी वाणी, निर्भीक तेवर और अंग्रेजी हुकूमत के सामने कभी न झुकने वाले व्यक्तित्व के कारण वे जनमानस में ह्यपंजाब केसरीह्ल (पंजाब का शेर) के नाम से विख्यात हुए। उनकी गर्जना(ओजस्वी भाषण) इतनी प्रभावशाली होती थी कि सभाओं में उपस्थित हजारों लोग एक ही आह्वान पर उनके पीछे चल पड़ते थे। निस्संदेह, वे भारतीय इतिहास के उन तेजस्वी सितारों में से एक हैं जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी 1865 को पंजाब के फिरोजपुर ज़िले के धुडीके गाँव (तत्कालीन पंजाब, ब्रिटिश भारत) में हुआ था। उनके पिता मुंशी राधाकृष्ण उर्दू-फारसी के विद्वान थे तथा माता गुलाब देवी एक धार्मिक एवं संस्कारवान महिला थीं। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज से कानून की पढ़ाई की। इसी दौरान वे स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से अत्यंत प्रभावित हुए और लाहौर में आर्य समाज से जुड़ गए। लाला जी का मानना था कि हिंदू धर्म का नैतिक आदर्शवाद जब राष्ट्रवाद के साथ जुड़ता है, तो वह एक धर्मनिरपेक्ष राज्य (सेकुलर स्टेट) की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण अत्यंत प्रगतिशील था। वे दृढ़ता से विश्वास करते थे कि बिना शिक्षा के कोई भी राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता। इसी सोच के परिणामस्वरूप उन्होंने युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए तैयार करने हेतु ह्यसर्वेंट्स ऑफ द पीपल सोसाइटीह्ल की स्थापना की तथा लाहौर में ह्यनेशनल कॉलेजह्ल की शुरूआत की, जहाँ आगे चलकर भगत सिंह जैसे महान क्रांतिकारियों ने शिक्षा प्राप्त की।वे सामाजिक सुधारों के प्रबल समर्थक थे। 1890 के दशक के अंत में जब भारत के कई भागों में भीषण अकाल पड़ा, तब लाला जी ने राहत कार्यों का नेतृत्व किया और अनाथ बच्चों के लिए अनेक राहत शिविर एवं अनाथालय स्थापित कराए। वे विधवा पुनर्विवाह, स्त्री शिक्षा और छुआछूत उन्मूलन के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत रहे।राष्ट्रीय आंदोलन में उनकी भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही। बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल के साथ मिलकर उन्होंने उग्र राष्ट्रवादी नेताओं की प्रसिद्ध त्रयी ह्यलाल-बाल-पालह्ल का गठन किया। वे इस त्रयी के प्रमुख स्तंभ थे। वे हिंदू महासभा से भी जुड़े रहे और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध मुखर रहे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य के रूप में उन्होंने पंजाब के अनेक राजनीतिक आंदोलनों का नेतृत्व किया। वर्ष 1907 में अंग्रेज सरकार ने उन्हें आंदोलनकारी गतिविधियों के कारण बर्मा निर्वासित कर दिया, किंतु पर्याप्त प्रमाण न होने के कारण कुछ महीनों बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। कम लोगों को ज्ञात है कि 1914 से 1919 के बीच लाला लाजपत राय अमेरिका में रहे। वहाँ उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुँचाया और ब्रिटिश शासन के अत्याचारों से अमेरिकी जनता को अवगत कराया। इसी दौरान उन्होंने 1917 में ह्यहोम रूल लीग ऑफ अमेरिकाह्ल की स्थापना कर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत की स्वतंत्रता के लिए नैतिक समर्थन माँगा।उन्होंने बंगाल विभाजन का कड़ा विरोध किया, रौलेट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड की तीखी निंदा की। वे अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। वर्ष 1920 में कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में उन्होंने महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन का समर्थन किया। वर्ष 1926 में वे केंद्रीय विधानसभा के उप-नेता चुने गए। 1928 में जब ब्रिटिश सरकार ने बिना किसी भारतीय सदस्य के साइमन कमीशन भारत भेजा, तो लाला लाजपत राय ने विधानसभा में इसका विरोध प्रस्ताव रखा और लाहौर में इसके खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इसी दौरान उन्होंने ऐतिहासिक नारा दिया-साइमन वापस जाओ(साइमन गो बैक)। लाहौर में साइमन कमीशन के विरोध के दौरान पुलिस अधीक्षक जेम्स स्कॉट के आदेश पर उन पर निर्मम लाठीचार्ज किया गया। गंभीर चोटों के बावजूद उन्होंने अंग्रेज सरकार से कभी क्षमा नहीं माँगी। लाठीचार्ज से पूर्व उनका दिया गया वाक्य-मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत में कील बनेगी। बाद में ऐतिहासिक सत्य सिद्ध हुआ। चोटों के कारण 17 नवंबर 1928 को लाहौर में उनका निधन हो गया। लाला जी की शहादत से क्षुब्ध होकर ही भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने अंग्रेज अधिकारी सॉन्डर्स को मारकर प्रतिशोध लिया।लाला लाजपत राय न केवल

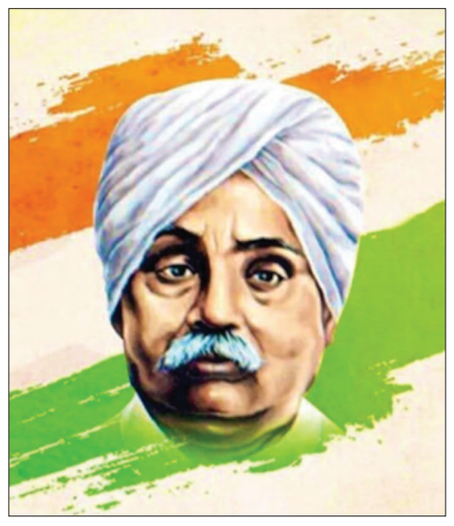

एक निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि वे भारत को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाने वाले दूरदर्शी चिंतक भी थे। उनकी लेखनी भी उतनी ही प्रखर थी- यंग इंडिया, अनहैप्पी इंडिया, भारत का इंग्लैंड पर आरोप, इंडिया विल टू फ्रीडम, भगवद्गीता का संदेश सहित अनेक कृतियाँ उनके विचारों की अमिट धरोहर हैं। वे पंजाब नेशनल बैंक के सह-संस्थापक, आर्य गजट के संपादक और कई शिक्षण-सामाजिक संस्थाओं के प्रेरणास्रोत रहे।अंततः कहा जा सकता है कि पंजाब केसरी लाला लाजपत राय शहादत की वह मशाल हैं, जिनकी लौ भारतीय राष्ट्रवाद को सदैव प्रकाशित करती रहेगी-उन्हें भुला पाना असंभव है।

भारत गाथाः श्रुति, कृति, दृष्टि – ओम से एल्गोरिदम तक भारत की रचनात्मक यात्रा

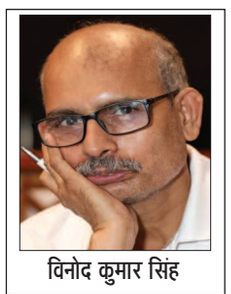

विनोद कुमार सिंह

77वें गणतंत्र दिवस की उपलब्ध पर मनमोहक व ज्ञानवर्द्धक झाँकीयों पर विशेष

भारत केवल एक भू-भाग नहीं, बल्कि एक जीवंत सभ्यता है–जहाँ शब्द जन्म लेते हैं,विचार आकार पाते हैं और दृष्टि भविष्य का निर्माण करती है।कर्त्तव्य पथ पर 77 वें गणतंत्र दिवस के अवशर पर आयेजित भव्य समारोह में केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की मनमोहक झांकी 'भारत गाथाः श्रुति,कृति, दृष्टि' इसी शाश्वत सभ्यतागत प्रवाह का सशक्त दृश्य रूप बनकर सामने आई।मंत्रालय की यह झांकी वैदिक व विकसित भारत की कथा कहने की उस परंपरा को रेखांकित करती है,जो वेदों की मौखिक परंपरा से शुरू होकर आज एल्गोरिदम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इमर्सिव डिजिटल अनुभवों तक पहुँची है।

यह जीवंत झांकी केवल अतीत का गौरवगान नहीं,बल्कि आत्मनिर्भर भारत की उस चेतना का प्रतिबिंब है,जिसमें परंपरा और प्रौद्योगिकी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री हैं।प्रणव ओम से एल्गोरिदम तक की यह यात्रा भारत की फलती-फूलती रचनात्मक अर्थव्यवस्था वैश्विक सामग्री शक्ति के रूप में उसके उभार और भविष्य के प्रति उसके आत्मविश्वास को उद्घाटित करती है।

श्रुतिःजहाँ शब्द सृजन बनते हैंकभारतीय सभ्यता में ज्ञान का प्रथम स्रोत श्रुति है–जो सुना गया, अनुभव किया गया और पीढ़ी-दर- पीढ़ी स्मृति में संचित रहा। झांकी का यह प्रथम खंड भारत की उसी मौखिक परंपरा को नमन करता है, जिसने सहस्राब्दियों तक ज्ञान को जीवित रखा।

पीपल के वृक्ष के नीचे बैठे गुरु-शिष्य परंपरा का दृश्य केवल एक प्रतीक नहीं,बल्कि भारतीय शिक्षा-दर्शन की आत्मा है।यहाँ ज्ञान किसी पाठ्य-पुस्तक तक सीमित नहीं,बल्कि मानव जीवन का अंग है।गुरु का वाणी-संचार, शिष्य की एकाग्रता और प्रकृति की सान्निध्य–ये सब मिलकर उस समग्र शिक्षण परंपरा को रचते हैं,जिसमें शब्द साधना बन जाता है।

झांकी में उकेरे गए ध्वनि-तरंग रूपांकन और ओम का ब्रह्मांडीय प्रतीक यह स्मरण कराता है कि भारतीय दर्शन में ध्वनि को सृष्टि की मूल इकाई माना गया है।नाद-ब्रह्म की यह अवधारणा आज आधुनिक विज्ञान में भी प्रतिध्वनित होती दिखती है,जहाँ फ्रीक्वेंसी,वेव्स और वाइब्रेशन के सिद्धांत ब्रह्मांड को समझने का आधार बन रहे हैं।श्रुति का यह खंड दर्शाता है कि भारत की कहानी कहने की कला केवल मनोरंजन नहीं,बल्कि चेतना के विस्तार का माध्यम रही है। लोककथाएँ,महाकाव्य,भजन, कीर्तन और कथकली जैसी परंपराएँ समाज को जोड़ने का सेतु बनीं।शब्द से शास्त्र तक जहाँ श्रुति स्मृति में जीवित रही, वहीं कृति ने विचारों को स्थायित्व दिया।झांकी का दूसरा खंड भारत की लिखित और कलात्मक परंपराओं के विकास को भव्यता से प्रस्तुत करता है। भगवान गणेश द्वारा महाभारत लेखन का दृश्य भारतीय बौद्धिक परंपरा का प्रतीक है–जहाँ लेखन केवल रिकॉर्डिंग नहीं, बल्कि साधना है।महाभारत जैसे ग्रंथ न केवल कथा हैं,बल्कि दर्शन, नीति, राजनीति और मानव मन के गहन अध्ययन का दर्पण हैं।इस खंड में पांडुलिपियाँ,ताड़पत्र शिलालेख,नाट्य-शास्त्र,संगीत, नृत्य और प्रदर्शन कलाओं के दृश्य भारत की उस बहुआयामी रचनात्मकता को सामने लाते हैं,जिसने विश्व को गणित,खगोल, आयुर्वेद,स्थापत्य और साहित्य की अमूल्य धरोहर दी।कृति का यह कालखंड बताता है कि भारत में लेखन और कला सत्ता का उपकरण नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना की अभिव्यक्ति रही है। कवि, कथाकार, नाटककार और कलाकार समाज के द्रष्टा रहे हैं–जो समय की नब्ज पहचानकर उसे शब्द और स्वर देते हैं।झांकी का तीसरा और सबसे गतिशील खंड है दृष्टि–जो भारत की मीडिया यात्रा को दर्शाता है। प्रिंट से लेकर सिनेमा, रेडियो, टेलीविजन और अब डिजिटल प्लेटफॉर्म तक,यह खंड भारत के आधुनिक अभिव्यक्ति माध्यमों की कहानी कहता है।विंटेज कैमरे,फिल्म रील, .समाचार पत्र, उपग्रह और बॉक्स ऑफिस प्रतीक–ये सब उन पीढ़ियों को श्रद्धांजलि हैं, जिन्होंने भारतीय सिनेमा और मीडिया को वैश्विक पहचान दिलाई।दादा साहेब फाल्के से लेकर सत्यजीत रे,राज कपूर से लेकर समकालीन फिल्मकारों तक–भारत की दृश्य कथा ने सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्रनिर्माण और सांस्कृतिक आत्मविश्वास में अहम भूमिका निभाई है।यह खंड यह भी दर्शाता है कि भारतीय मीडिया केवल मनोरंजन का साधन नहीं,बल्कि सामाजिक संवाद और लोकतांत्रिक चेतना का वाहक रहा है। रेडियो की आवाज से लेकर दूरदर्शन के युग और आज के ओटीटी प्लेटफॉर्म–हर माध्यम ने भारत की विविधता को स्वर दिया।

भविष्य की कहानीः एआई, एवीजीसी-एक्सआर और वर्चुअल प्रोडक्शन।झांकी का सबसे प्रेरक पक्ष है उसका भविष्य-दर्शन।एआई, एवीजीसी-एक्सआर और वर्चुअल प्रोडक्शन तकनीकों के माध्यम से यह संकेत दिया गया है कि भारत अब केवल सामग्री का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर कंटेंट क्रिएटर और हब बनने की ओर अग्रसर है।डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया जैसी पहलें भारत की रचनात्मक प्रतिभा को वैश्विक मंच दे रही हैं। युवा क्रिएटर्स,गेम डेवलपर्स, एनीमेशन आर्टिस्ट और डिजिटल स्टोरीटेलर्स भारत की नई पहचान गढ़ रहे हैं–जहाँ कहानी कहने की परंपरा तकनीक के पंख लगाकर उड़ान भर रही है।

यह झांकी डब्लु ए वी ई एस 2025 के दृष्टिकोण से भी जुड़ी है, जो भारत को वैश्विक सामग्री केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। 'संतरा अर्थव्यवस्था का उदय' केवल एक रूपक नहीं, बल्कि उस रचनात्मक अर्थव्यवस्था का संकेत है,जिसमें संस्कृति, मीडिया और तकनीक आर्थिक विकास के प्रमुख चालक बन रहे हैं। वैश्विक सहभागिता, व्यावसायिक समझौते और सांस्कृतिक आदान-प्रदान यह दर्शाते हैं कि भारत की कहानी अब विश्व सुनना चाहता है–और भारत उसे आत्मविश्वास के साथ सुना रहा है।

सांस्कृतिक कालक्रम और दूरदर्शी दृष्टि 'भारत गाथाः श्रुति, कृति, दृष्टि' झांकी एक साथ सांस्कृतिक कालक्रम और दूरदर्शी दृष्टिकोण है। यह अतीत की जड़ों से जुड़कर भविष्य की शाखाएँ फैलाने का संदेश देती है।77वें गणतंत्र दिवस पर यह झांकी हमें याद दिलाती है कि भारत की शक्ति उसकी निरंतरता में है–जहाँ परंपरा ठहराव नहीं, बल्कि नवाचार का आधार है। ओम की गूंज से लेकर एल्गोरिदम की गणना तक, भारत की कथा अनवरत प्रवाह में आगे बढ़ रही है।यह झांकी न केवल देखने का अनुभव है, बल्कि आत्मचिंतन का निमंत्रण भी–कि हम अपनी विरासत को समझें, उसे संजोएँ और तकनीक के साथ मिलकर एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें, जहाँ भारत की कहानी विश्व की साझा धरोहर बने।

दुनिया जल के वैश्विक दिवालियापन की ओर बढ़ रही है

'जल है तो जीवन है'-यह पंक्ति कोई नारा भर नहीं, बल्कि मानव सभ्यता का शाश्वत सत्य है। बिना जल के जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। किंतु विडंबना यह है कि जिस जल को हम जीवन का आधार मानते हैं, वही आज सबसे अधिक संकटग्रस्त संसाधन बन चुका है। देश-दुनिया में जल संकट के हालात विकराल हो चुके हैं और यह संकट अब केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार और मूल्यहीन शासन का भी परिणाम बनता जा रहा है। विश्व स्तर पर लगभग 25 देश अत्यधिक जल तनाव से जूझ रहे हैं। चार अरब से अधिक लोग वर्ष में कम से कम एक माह पानी की गंभीर कमी का सामना करते हैं। मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र इस संकट की अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। यहां 60 करोड़ से अधिक लोग उच्च जल तनाव वाले क्षेत्रों में रहते हैं। राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जबकि चेन्नई, बेंगलूरु और दिल्ली जैसे महानगरों में पानी की कमी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। दरअसल, जल संकट अब ह्यवाटर स्ट्रेसह्ल से आगे बढ़कर ह्यग्लोबल वाटर बैंक्रप्सीह्ल यानी दुनिया जल के वैश्विक दिवालियेपन की ओर बढ़ रही है। स्थिति यह है कि जल स्रोतों का दोहन इतनी तीव्रता से हो रहा है कि उनकी प्राकृतिक भरपाई असंभव होती जा रही है। भूजल स्तर निरंतर गिर रहा है, नदियां सूख रही हैं और तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। यह संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और नैतिक संकट भी है। जल संकट का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। कृषि, उद्योग और ऊर्जा-तीनों ही क्षेत्र पानी पर निर्भर हैं। जब खेतों को पानी नहीं मिलता, उद्योग ठप होते हैं और बिजली उत्पादन प्रभावित होता है, तो देश की जीडीपी में 6 प्रतिशत तक की कमी का खतरा उत्पन्न हो जाता है। आमजन के लिए यह संकट जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है। जहां पानी पर्याप्त है, वहां बबार्दी हो रही है और जहां पानी की सबसे अधिक आवश्यकता है, वहां लोग बूंद-बूंद को तरस रहे हैं।

भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय बनाया है। जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसे कार्यक्रम इसी दिशा में ऐतिहासिक पहल

हैं। जल जीवन मिशन का लक्ष्य हर घर तक नल से जल पहुंचाना है, ताकि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित किया जा सके। अटल भूजल योजना भूजल के सतत प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 'हर खेत को पानी' के संकल्प को साकार करने का प्रयास है। इसके साथ ही जल शक्ति अभियान के तहत वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। इन योजनाओं ने निश्चित रूप से जल संरक्षण के प्रति राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत किया है। कई क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनी हैं, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला है और भूजल पुनर्भरण के प्रयास हुए हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई भी छिपी है- प्रशासनिक भ्रष्टाचार। यही वह दीमक है जो इन योजनाओं की उपयोगिता और प्रासंगिकता को नष्ट कर रही है, उन्हें मूल्यहीन बना रही है।

जल संकट से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार कई रूपों में दिखाई देता है-घटिया निर्माण, फर्जी आंकड़े, अधूरी परियोजनाएं, कमीशनखोरी और जवाबदेही का अभाव। कहीं कागजों में ही वर्षा जल संचयन संरचनाएं बन जाती हैं, तो कहीं पाइपलाइन बिछाने में घटिया सामग्री का उपयोग होता है। कई स्थानों पर योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच ही नहीं पाता। परिणाम यह होता है कि करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन न पानी मिलता है और न संकट कम होता है। भ्रष्टाचार केवल धन की बबार्दी नहीं करता, वह भविष्य की पीढ़ियों का अधिकार भी छीन लेता है। इन जटिल होती जल संकट स्थितियों के प्रति नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों को बूंद-बूंद के लिये तरसना पडेगा। जल जैसे जीवनदायी संसाधन के साथ किया गया भ्रष्टाचार वास्तव में मानवता के साथ अपराध है। जब जल संरक्षण की योजनाएं कागजों में सिमट जाती हैं, तब जल संकट और भी गहरा हो जाता है। यही कारण है कि आज योजनाएं तो हैं, नीतियां भी हैं, लेकिन परिणाम अपेक्षित नहीं हैं। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन, अतिदोहन, अनियंत्रित शहरीकरण और खराब प्रबंधन इस संकट को और बढ़ा रहे हैं। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को रोका गया, तालाब पाट दिए गए और जंगलों का विनाश किया गया। परिणामस्वरूप वर्षा का पैटर्न बदल गया और जल स्रोत सूखते चले गए। यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी योजनाओं से ही समाधान संभव नहीं, जब तक समाज स्वयं जिम्मेदारी न ले।

दुनिया के अन्य देशों से हमें बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। इजराइल में ड्रिप इरिगेशन और डिसेलिनेशन तकनीक से 90 प्रतिशत तक पानी का पुनर्चक्रण किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में वाटर ट्रेडिंग के माध्यम से जल संसाधनों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया गया है। अमेरिका में अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग और यूरोप में स्मार्ट वाटर मैनेजमेंट सिस्टम जल संकट से निपटने के प्रभावी उपाय बने हैं। भारत में भी राजस्थान जैसे राज्यों में जोहड़, खादिन और बावड़ियों जैसे पारंपरिक जल संरचनाएं आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। समाधान का रास्ता स्पष्ट है- कठोर नीतियां, पारदर्शी प्रशासन और जनभागीदारी। जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनानी होगी। तकनीक का उपयोग कर निगरानी और सामाजिक ऑडिट को अनिवार्य बनाना होगा। आमजन को भी जागरूक होना पड़ेगा कि वर्षा जल संचयन, जल की बचत, ड्रिप सिंचाई और अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं।

भारत में विश्व की कुल आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है, जबकि देश में पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है। देश में अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। नीति आयोग के अनुसार, वर्तमान में स्वच्छ जल की अपर्याप्त पहुँच के कारण लगभग 60 करोड़ भारतीय गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं तथा इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु होती है। वर्ष 2030 तक देश में जल की मांग, आपूर्ति की दोगुनी होने की संभावना है। इससे देश में करोड़ों लोगों को जल के गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा तथा देश के सकल घरेलु उत्पाद में 6 प्रतिशत की हानि होने की संभावना है। आज समय बहुत कम है। यदि अभी भी हम नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। जल का संकट केवल वर्तमान का नहीं, भविष्य का प्रश्न है। जल है तो जीवन है-इस सत्य को हमें व्यवहार में उतारना होगा। भ्रष्टाचार मुक्त जल प्रबंधन, जिम्मेदार प्रशासन और जागरूक नागरिक ही हमें इस 'जल-संकट' से बचा सकते हैं। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब इतिहास गवाह बनेगा कि मानव ने अपने ही हाथों से जीवन के स्रोत को नष्ट कर दिया। भू-जल प्रबंधन, कुशल सिंचाई प्रबंधन एवं वर्षा जल संचयन उपायों को अपनाकर भविष्य के जल संकट को कम किया जा सकता है।

जिलाधिकारी की अभिनव पहल पर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं व कार्यक्रमों की निकाली झांकियां

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में 77वां गणतंत्र दिवस हर्ष उल्लास भव्यता के साथ धूमधाम से मनाया गया। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अभिनव पहल पर जनपद में लगातार दूसरे वर्ष सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की झांकी निकाली गई। जिसमे विभागीय अधिकारियों द्वारा योजनाओं के बारे में बताया गया। यह झांकी अमरोहा ब्लॉक से शुरू होकर अंबेडकर पार्क, आजाद रोड और गांधी चौक होते हुए अंत में राजकीय इंटर कॉलेज पर समाप्त हुई। जिलाधिकारी द्वारा झांकी प्रदर्शन में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले विभागीय अधिकारियों व उनके सहयोगियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। झांकियां में प्रदर्शन को बारीकी से पर्यवेक्षण के लिए जिलाधिकारी खुद निर्णायक मंडल की अध्यक्षता रही। झांकियों को चार बिंदु पर पर्यवेक्षण हुआ और सभी के लिए पांच-पांच अंक निर्धारित किए गए। झांकियों में चार बिन्दुओ जिसमे झांकी का प्रस्तुतिकरण, झांकी की जीवंतता, साज सज्जा और सामाजिक प्रतिक्रिया पर नंबर जारी किए गए। कौशल विकास विभाग और ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायत राज विभाग की झांकी को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, कृषि और पशुपालन विभाग की झांकी को संयुक्त रूप से द्वितीय और माध्यमिक शिक्षा एवं नगर पालिका परिषद अमरोहा की झांकी को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। जिलाधिकारी ने कहा कि इस झांकी का उद्देश्य आमजन से जुड़ना और योजनाओं की जानकारी उन तक पहुँचाना था। उन्होंने कहा कि सभी विभागों ने बहुत मेहनत की है। सबकी झांकियाँ अद्भुत हैं। सभी विभागों ने बहुत सुंदर ढंग से झांकी निकाली है। उन्होंने कहा कि इससे भी अधिक मनोयोग और सुंदर ढंग से इन योजनाओं का क्रियान्वयन करें। उन्होंने कहा कि जिस अधिकारी या कर्मचारी को जिस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है, उन्हें अपने कर्तव्यों का ईमानदारी, निष्ठा और लगन से निर्वहन करें, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोगों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके। नगर निकाय/नगर विकास विभाग की झांकी में स्वच्छ, स्मार्ट एवं सशक्त नगर-विकसित भारत की ओर, पंचायती राज विभाग की झांकी में स्वच्छ भारत मिशन, ओडिएफ, प्लास्टिक मुक्त पंचायत, मॉडल ग्राम, ग्रामीण विकास विभाग की झांकी में श्री समृद्धि, आजीविका मिशन, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण (ग्रामीण), जी राम जी योजना, स्वास्थ्य विभाग की झांकी में आयुष्मान भारत, टीकाकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण अभियान, शिक्षा विभाग (बेसिक /माध्यमिक) की झांकी में मिशन शक्ति, सक्षम भारत, निपुण भारत, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास विभाग की झांकी में कौशल युक्त भारत-प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, श्रम विभाग की झांकी में बाल श्रम मुक्त समाज, श्रमिक सशक्तिकरण और आवासीय भारत योजना, समाज कल्याण विभाग की झांकी में वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, छात्रवृत्ति योजनाएं, महिला एवं बाल विकास विभाग की झांकी में आंगनवाड़ी, पोषण ट्रैकर, कृषि विभाग की झांकी में मिलेट्स, प्राकृतिक खेती, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, पशुपालन विभाग की झांकी में समृद्ध पशुपालन-नस्ल सुधार, टीकाकरण, पशु स्वास्थ्य सेवाएं, दुग्ध विकास, गौशाला, उद्यान विभाग की झांकी में खाद्य प्रसंस्करण, फल एवं सब्जी उत्पादन, बागवानी मिशन, वन विभाग की झांकी में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण, जल जीवन मिशन (ग्रामीण/शहरी) की झांकी में जल जीवन मिशन, हर घर जल, विद्युत विभाग की झांकी में विद्युत आपूर्ति, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा बचत, परिवहन विभाग की झांकी में सड़क सुरक्षा, यातायात नियम जागरूकता, पुलिस विभाग की झांकी में कानून व्यवस्था, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा, मिशन शक्ति, युवा कल्याण की झांकी में खेल उपलब्धियां, फिट इंडिया, आयुष विभाग की झांकी में योग, आयुर्वेद, स्वस्थ जीवनशैली और जिला उद्योग विभाग की झांकी में एक जनपद एक उत्पाद, एक जनपद एक उद्योग का प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्षा नगर पालिका परिषद, अमरोहा शशि जैन, मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप सिंह, परियोजना निदेशक अम्बरीष कुमार, उपनिदेशक कृषि डॉ0 राम प्रवेश, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित सभी सम्बन्धित विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

हसनपुर /अमरोहा (सब का सपना):- देश के 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में गणतंत्र दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण संयुक्त रूप से प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष एवं प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह और ग्राम प्रधान राजकुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र छात्राओं एवं अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया और 'भारत माता की जय' व 'बाबा साहेब अमर रहें' के गगनभेदी नारे लगाए। संबोधित करते हुए प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए बेहद गौरवशाली है। हम सभी आज पूरे हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। यह दिन हमें उन अमर शहीदों और संविधान निमार्ताओं की याद दिलाता है, जिनके कठिन परिश्रम से हमें यह महान लोकतंत्र प्राप्त हुआ है। उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा कि हमें बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा निर्मित संविधान की रक्षा करने और देश की उन्नति में अपना योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए । इस अवसर पर ग्राम प्रधान राजकुमार, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इन्द्र सिंह,रोजगार सेवक विशम्बर सिंह, नरेंद्र सिंह,गुडडु सिंह, संतराम सिंह, राशिद अली, मदनपाल समेत आदि मौजूद रहे।

अखिल भारतीय अम्बेडकर संघ ने धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस, अम्बेडकर पार्क में हुआ ध्वजारोहण

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- देश के 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर आज पूरे देश के साथ-साथ हसनपुर नगर में भी राष्ट्रभक्ति का उत्साह देखने को मिला। इसी कड़ी में नगर के स्थित अम्बेडकर पार्क में 'अखिल भारतीय अम्बेडकर संघ' द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संघ के पदाधिकारियों और स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया और 'भारत माता की जय' व 'बाबा साहेब अमर रहें' के गगनभेदी नारे लगाए। संबोधित करते हुए अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए बेहद गौरवशाली है। हम सभी आज पूरे हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। यह दिन हमें उन अमर शहीदों और संविधान निमार्ताओं की याद दिलाता है, जिनके कठिन परिश्रम से हमें यह महान लोकतंत्र प्राप्त हुआ है। उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा कि हमें बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा निर्मित संविधान की रक्षा करने और देश की उन्नति में अपना योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए । इस अवसर पर मुख्य रूप से संरक्षक जयवीर सिंह,महामंत्री विनोद कुमार गौतम,पूर्व कानूनगो नरेश सिंह, ब्रजकिशोर सिंह एडवोकेट, अनिल कुमार, नरेश कुमार,दिनेश कुमार, अमन कुमार, दिनेश कुमार गौतम, अरविंद अन्ना, मुकेश कुमार, मुखराम सिंह समेत आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन क्लीन- 2 के अन्तर्गत थाना सैदनंगली में की गई सीजशुदा वाहनों की नीलामी

सैदनंगली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा जिले के सभी थानों के भ्रमण के दौरान पाया गया कि थाना परिसर में लम्बे समय से काफी संख्या में लावारिस, मालमुकदमाती व एम0वी0 एक्ट में सीजशुदा वाहन खड़े हैं । जो धूप, गर्मी, बरसात की वजह से जंग लगकर धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। जिस कारण से न्यायिक प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न होता है साथ ही राष्ट्रीय सम्पत्ति की हानि हो रही है। वाहनों के क्षरण के कारण थाना परिसर में रहने व आने-जाने वालो व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की सम्भावना बनी रहती है। थाना परिसर में लम्बे समय से खड़े वाहनों के सम्बन्ध में समय-समय पर न्यायालय द्वारा निर्देश दिये गये है। उच्चतम न्यायालय में स्पेशल लीव पिटीशन (क्रिमिनल) सं0 2745/2002 सुन्दर भाई अम्बालाल देसाई बनाम गुजरात राज्य में प्रदत्त व्यवस्था के क्रम में थाने में खड़े वाहनों के निस्तारण हेतु अमित कुमार आनन्द, पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निर्देशन में थाने पर खड़े माल मुकदमाती व अन्य वाहनों के निस्तारण हेतु जनपद अमरोहा में 'आपरेशन क्लीन-2' प्रारम्भ किया गया। 'आपरेशन क्लीन-2' के अन्तर्गत सभी थानों को चरणबद्ध एवं समयबद्ध लक्ष्य दिया गया। सक्षम न्यायालय से आदेश प्राप्त कर 'आपरेशन क्लीन' के अन्तर्गत कार्यवाही के अंतर्गत मंगलवार को क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी, थाना प्रभारी विकास कुमार, नायब तहसीलदार मनोज सिंह की गठित कमेटी द्वारा थाना सैदनगली में मालमुकदमाती के कुल 03 वाहनों (01 डीसीएम कैन्टर,01 ट्रैक्टर व 01 मो0सा0) की नीलामी थाना सैदनगली परिसर में विधि सम्मत तरीके से करायी गयी। जिससे कुल नीलामी की धनराशि कुल रु 1,50,000/- का राजस्व प्राप्त हुआ। जिसको राजकीय कोषागार में जमा कराया जायेगा।

हिन्दू सम्मेलन का आयोजन, हजारों लोगों की सहभागिता

आरएसएस प्रांत प्रचारक अनिल कुमार ने पंच परिवर्तन पर रखे विचार

नौगवां सादात/अमरोहा(सब का सपना):- हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति के तत्वावधान में ग्राम कोराल में एक भव्य हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में हिन्दू समाज के लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मेरठ प्रांत के प्रांत प्रचारक अनिल कुमार रहे। मुख्य वक्ता अनिल कुमार ने अपने संबोधन में पंच परिवर्तन विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कुटुम्ब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध एवं सामाजिक समरसता जैसे विषयों को समाज के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज को सशक्त और संगठित किया जा सकता है। कार्यक्रम में डॉ. यतीन्द्र कटारिया ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए संघ के सामाजिक योगदान को रेखांकित किया। वहीं योगेंद्र भारद्वाज ने हिंदुत्व की वर्तमान स्थिति, उसके समक्ष आने वाली चुनौतियों एवं उनके समाधान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। महामंडलेश्वर स्वामी हर मनोज दास ने अपने उद्बोधन में हिंदुत्व को जाति एवं क्षेत्र में न बंटने की सलाह देते हुए समाज को एकजुट रहने का संदेश दिया। मंच संचालन खण्ड बौद्धिक प्रमुख गजेंद्र सिंह ढिल्लो द्वारा किया गया, जबकि आयोजन समिति के अध्यक्ष मास्टर जयमल सिंह ने आशीर्वचन स्वरूप अपने विचार व्यक्त किए।

सम्मेलन में जिला प्रचारक योगेंद्र, सह जिला कार्यवाह नरेंद्र, खण्ड कार्यवाह रघुनंदन, दलजीत सिंह, हरचरन सिंह, दिग्विजय सिंह, विवेक प्रधान, मास्टर सुमंत सिंह, सुधाकर सिंह, शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लो, ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह, धनोरा विधायक राजीव तरारा, पूर्व जिला अध्यक्ष गिरीश त्यागी, पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में हिंदू समाज के लोगों ने सहभागिता की।

सभी विभागों की योजनाओं की झांकियां में पशुपालन विभाग को मिला द्वितीय पुरस्कार

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देशन में 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी मुख्य विभागों द्वारा अपने अपने विभागों के कार्यो और योजनाओं से जनपद की जनता को अवगत कराने हेतु कलात्मक झांकियां प्रस्तुत की गई जिसमें पशु पालन विभाग की झांकी को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ. पशु पालन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी इस खूबसूरत और विविध रंगों से भरी झांकी को तैयार करने में पूरी मेहनत से जुटे हुए थे. इस झांकी में एक ओर बकरी पालन, मुर्गी पालन आदि से आय में वृद्धि को दशार्या गया तो यह भी दिखाया गया कि पशु चिकित्सक कितने पशुओं की भिन्न-भिन्न प्रजातियों का उपचार करते हैं. विभिन्न रोगों के टीकाकरण अभियान संचालित कर, पशुओं को गंभीर बीमारियों से बचा कर पशु पालक को आर्थिक हानि न हो यह सुनिश्चित करते हैं. पशुओं से मनुष्यों में होने वाली बीमारियों यथा bird flu, Glanders इत्यादि की रोकथाम के लिये सतत प्रयासरत रहते हैं..झांकी का मुख्य आकर्षण, देशभक्ति गीतों पर, सजे हुए घोड़ों के द्वारा किया गया नृत्य रहा.झांकी को सभी के द्वारा सराहा गया. मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आभा दत्त ने अपनी टीम की लगन और मेहनत की सराहना करते हुए

सभी को बधाई दी और जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र को धन्यवाद दिया. इस आयोजन में डॉक्टर निलय डॉ विजेन्द्र सिंह डॉक्टर शिवानी, डॉक्टर रामवीर , डॉक्टर पुष्पेन्द्र, प्रतीक प्रति, बृजेश, नेपाल सिंह, के पी सिंह पशु पालन विभाग तथा मोबाइल Veterinary unit के समस्त staff aur paravets का पूर्ण सहयोग रहा।

बछरायूं पुलिस की संवेदनशील पहल के तहत वाहनों पर बिना चालान लगवाई गई नं.प्लेट व साइलेंसर

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील के थाना बछरायूं पुलिस ने सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए थाना प्रभारी बछरायूं कुलदीप तोमर की संवेदनशील पहल के तहत नगर में गस्त के दौरान वाहन चालकों को रोककर उनके वाहनों पर बिना चालान किये नंबर प्लेट लगवाना एवं मोडिफाइड साइलेंसर को बदलवाना सुनिश्चित किया गया। बता दें कि बीते रविवार को थाना बछरायूं प्रभारी कुलदीप तोमर द्वारा पैदल गस्त के दौरान एक बाइक सवार को रोका गया था,जिसकी मोटरसाइकिल पर आगे एवं पीछे नंबर प्लेट नहीं लगी हुई थी। उक्त मोटरसाइकिल को नियमानुसार थाना बछरायूं लाया गया।थाना प्रभारी द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान की भावना को दृष्टिगत रखते हुए वाहन चालक को दंडित करने के बजाय जागरूकता एवं सुधारात्मक कार्यवाही अपनाई गई। वाहन चालक को स्पष्ट रूप से हिदायत दी गई कि वह अपनी मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट अधिकृत एजेंसी से बनवाकर, मोटरसाइकिल पर लगवाकर थाना पर प्रस्तुत करे, जिस पर उसकी मोटरसाइकिल बिना किसी चालान के सुपुर्द की जाएगी।उक्त निदेशों का पालन करते हुए मंगलवार को संबंधित बाइक चालक द्वारा अपनी मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट अधिकृत एजेंसी से बनवाकर थाना बछरायूं पर प्रस्तुत की गई, जिसे मोटरसाइकिल पर विधिवत लगवाने के पश्चात बिना किसी चालान के मोटरसाइकिल सुपुर्द कर दी गई। इससे पूर्व भी कई बुलेट मो0सा0 के मॉडिफाईड साईलेंसर इस प्रकार बदलवाये जा चुके हैं। बछरायूं थाना प्रभारी कुलदीप तोमर द्वारा की गई यह कार्यवाही कानून के साथ मानवीय दृष्टिकोण एवं प्रभावी पुलिसिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ी है।अमरोहा पुलिस आमजन से अपील करती है कि सभी वाहन चालक अपने वाहनों पर मानक अनुरूप नंबर प्लेट अवश्य लगवाएं तथा यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित एवं अनुशासित सड़क व्यवस्था में सहयोग प्रदान करें।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
संभल/अमरोहा
अमरोहा
बुधवार 28 जनवरी 2026
www.sabkasapna.com

कलक्ट्रेट परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

डीएम ने किया ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों व सम्मान समारोह का आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद मुख्यालय स्थित कलक्ट्रेट परिसर में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी लोगों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का संकल्प दिलाया तथा इसके बाद शहीद स्मारक पहुंचकर देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों ने देशभक्ति गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। नगर मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान में निहित कर्तव्यों का पालन करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत पात्र नागरिकों से फॉर्म-6 के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की अपील की। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने कहा कि गणतंत्र दिवस संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने का अवसर है। हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत, समरसता एवं बंधुत्व की भावना को सहेजते हुए देश को विकसित बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस जन-गण-मन की भावना को सशक्त करता है। शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों परविंदर देव शर्मा एवं मोहित शर्मा को शाल ओढ़ाकर एवं मिष्ठान भेंट कर सम्मानित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनपद के स्नेक कैचर जाबुल की पुत्री कु. मिसवाह ने फास्टफूड के दुष्प्रभावों पर अपने अनुभव साझा करते हुए बच्चों को घर का बना भोजन करने की सलाह दी। इस अवसर पर आपदा मित्रों द्वारा आपातकालीन संसाधन किट की प्रदर्शनी भी लगाई गई। मंच का संचालन डॉ. राजीव कुमार ने किया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी माधवी पाण्डेय सहित अनेक अधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ऑपरेशन स्माइल के तहत तीन नाबालिग बच्चे सकुशल बरामद, परिजनों के सुपुर्द

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के मोहल्ला पंचशील से घर से नाराज होकर चले गए तीन नाबालिग बच्चों को पुलिस ने ऑपरेशन स्माइल के तहत सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्चों के सकुशल मिलने से परिजनों ने राहत की सांस ली। आपको बता दें नेमवती पत्नी बंशी सैनी, मनोज पुत्र हरपाल एवं रिंकु पुत्र हरपाल निवासी मोहल्ला पंचशील, थाना चन्दौसी द्वारा थाना चन्दौसी पर प्रार्थना पत्र देकर बताया गया था कि उनके बच्चे हैप्पी सैनी (15), प्रिन्स श्रीवास्तव (15) एवं शिव श्रीवास्तव (14) खेलने से मना करने पर नाराज होकर घर से कहीं चले गए हैं। मामले की जांच उपनिरीक्षक गिरीशपाल सिंह द्वारा की गई।पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी चन्दौसी मनोज कुमार के नेतृत्व में थाना चन्दौसी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मंगलवार को तीनों नाबालिग बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद बच्चों को उनके परिजनों को सौंपते हुए थाने से सकुशल रुखसत किया गया। पुलिस की तत्परता से बच्चों के सुरक्षित मिलने पर परिजनों द्वारा पुलिस का आभार व्यक्त किया गया।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में ध्वजारोहण कर तिरंगे को दी सलामी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान का गायन किया गया और तिरंगे को सलामी दी गई। शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाकर शांति का संदेश दिया गया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट में स्वतन्त्रता संग्राम सैनानियों/ शहीदों के परिवार के सदस्यों एवं पूर्व सैनिकों को माला पहनाकर एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरण किए गए। कार्यकम में सरदार हमीदी गर्ल्स इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, श्रीमद् कन्या गुरुकुल चोटीपुरा महाविद्यालय, दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्राओं द्वारा विभिन्न कलाकृतियों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और डॉ0 भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया गया। जिलाधिकारी ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं वीर सैनिकों को नमन कर उनको श्रद्धांजलि दी।जिलाधिकारी ने अपने संबोधन की शुरूआत पंक्तियों "भारत हमको जान से प्यारा है... सबसे प्यारा गुलिस्तां हमारा है...से शुरू करते हुए सभी जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हम गणतंत्र दिवस मना रहे हैं, वह दिन जब हमें संविधान मिला था। जिसके मिलने से हम बिखरे हुए नहीं रहे, बल्कि एक व्यवस्थित समाज बने। उन्होंने संविधान को अमर जवानों और संविधान निमार्ताओं की दूरदर्शिता का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह दिन खुशी और उत्सव का है। संविधान ने सभी को समानता दी–कोई भेदभाव जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर नहीं किया। दुनिया के सभी संविधानों का अध्ययन कर यह तैयार किया गया, जिसमें बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं के लिए विशेष प्रावधान हैं। संबोधन में उन्होंने युवा पीढ़ी जेन जी से अपील की कि उनके अंदर जो ऊर्जा और अनुशासन है, उसे भारत के निर्माण में लगाएं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, बच्चों की शिक्षा, स्वच्छता और स्वस्थ जीवन पर विशेष जोर दिया। कहा कि अगर महिलाएं सशक्त होंगी तो आधी आबादी मजबूत हो जाएगी। सफाई से बीमारियां दूर होंगी और जीवन स्वस्थ बनेगा। जिलाधिकारी ने अमरोहा के विकास के लिए जो आपको जो कार्यत्व मिले हैं, उनको निष्ठा और उत्साह से करें। उन्होंने कहा कि संविधान का सम्मान करें, उसके तहत बने नियमों का पालन करें। अमरोहा की पहचान सामाजिक सौहार्द और शांति बनाए रखें–यही असली विकास और प्रगति है। अंत में उन्होंने कहा कि अगर हम सब मिलकर संविधान की भावना को आत्मसात करेंगे, तो देश को फिर से सोने की चिड़िया बनाने में सफल होंगे। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह, चंद्रकांता, शशिभूषण पाठक, मसीहा नजम समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी एवं भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे

सफाई कर्मियों को द्वितीय एसीपी का लाभ, कर्मचारियों में खुशी की लहर

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के विभिन्न राजस्व ग्रामों में तैनात सफाई कर्मियों को 16 वर्ष की संतोषजनक एवं निरंतर सेवा पूर्ण किए जाने के उपरांत मंगलवार को द्वितीय एसीपी का लाभ प्रदान किया गया। लंबे समय से इस लाभ की प्रतीक्षा कर रहे सफाई कर्मियों को जब एसीपी का लाभ मिला तो उनके चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी और विभाग में हर्ष का माहौल बन गया। एसीपी का लाभ प्राप्त करने वाले सफाई कर्मियों ने जिला पंचायत राज अधिकारी चेतेंद्र पाल सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग एवं सकारात्मक पहल के कारण यह संभव हो सका। इसके साथ ही उन्होंने वरिष्ठ सहायक दिनेश माहुर एवं दिनेश सागर का भी धन्यवाद करते हुए कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तत्परता से प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूरा किया गया। सफाई कर्मियों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी विभाग द्वारा कर्मचारियों के हित में इसी प्रकार के सकारात्मक कदम उठाए जाते रहेंगे। एसीपी का लाभ मिलने से न केवल कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, बल्कि वे और अधिक निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन कर सकेंगे।

अनियंत्रित टैंपो नाले में गिरा,पुलिस व स्थानीय लोगों ने निकाला बाहर

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के बाईपास रोड स्थित शेरपुर चुंगी पर मंगलवार को एक अनियंत्रित टैंपो (थ्री-व्हीलर) सड़क किनारे बने बाढ़ खंड के नाले में जा गिरा।गनिमत रही कि इस हादसे के समय टैंपो में कोई सवारी मौजूद नहीं थी, जिससे किसी को कोई हानि नहीं हुई उधर टैंपो चालक भी सुरक्षित रहा। बता दें कि हादसा मंदिर के ठीक सामने हुआ, जिसके तुरंत बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। शेरपुर चुंगी पर चेकिंग कर रही ट्रैफिक पुलिस को सूचना मिलते ही वे तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। टैंपो नाले में काफी गहराई तक फंस गया था।इसके बाद, पुलिसकर्मियों और स्थानीय राहगीरों ने मिलकर कड़ी मशक्कत की।

उन्होंने टैंपो को रस्सियों से बांधकर और पीछे से धक्का लगाकर सुरक्षित नाले से बाहर निकाला।इस पूरी घटना का एक लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लोग टैंपो को बाहर निकालने के लिए प्रयास करते दिख रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टैंपो का बेक गियर लगने के कारण संतुलन बिगड़ा, जिससे यह हादसा हुआ। चालक टैंपो से कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहा।

धनौरा में समीक्षा बैठक के दौरान अनुपस्थित बीएलओ व सुपरवाइजरों पर भड़कीं उपजिलाधिकारी

अनुपस्थित होने का मांगा स्पष्टीकरण,दिए आवश्यक निर्देश

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील सभागार में एसडीएम विभा श्रीवास्तव द्वारा (एसआईआर) विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की कार्य की समीक्षा बैठक की गई। इस दौरान उन्होंने कार्य में लापरवाही मिलने पर कड़ा रुख अपनाया और ड्यूटी में शिथिलता बरतने वाले शिक्षकों को फटकार लगाई। बता दें कि मंगलवार को मंडी धनौरा तहसील सभागार में एसडीएम विभा श्रीवास्तव द्वारा ली गई समीक्षा बैठक के दौरान स्पष्ट किया गया कि निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी उन्होंने कहा कि यह शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।बैठक में कुछ महिला शिक्षकों ने अपनी समस्याएं भी बताईं, उन्होंने कहा कि एसआईआर ड्यूटी के कारण उनका मूल शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। शिक्षकों ने आरोप लगाया कि ड्यूटी पर जाने पर हेडमास्टर आपत्ति जताते हैं, जिससे उन्हें मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है।इस पर एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में तैनात शिक्षकों को बिना किसी बाधा के अपना कार्य पूरा करना होगा। हेडमास्टरों द्वारा आपत्ति किए जाने के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शिक्षकों को सीधे फील्ड में जुटने के निर्देश दिए।एसडीएम ने बैठक से अनुपस्थित रहने वाले बीएलओ और सुपरवाइजरों के प्रति भी कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने मौके पर ही उपस्थिति पंजिका की जांच की और अनुपस्थित पाए गए सभी कर्मचारियों से लिखित स्पष्टीकरण तलब करने के आदेश दिए।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि संतोषजनक उत्तर नहीं मिला, तो संबंधित कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ वेतन रोकने की संस्तुति भी की जा सकती है।विभा श्रीवास्तव ने मौजूद कर्मियों को घर-घर जाकर डेटा सत्यापन करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए।

उन्होंने जोर दिया कि एसआईआर का कार्य समयबद्ध है और इसमें एक दिन की देरी भी पूरी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।इस अवसर पर गौरव कुमार, रमेश सैनी, दिनेश कुमार सहित तहसील प्रशासन के कई अधिकारी और बड़ी संख्या में शिक्षक व सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

बूंदाबांदी और सर्द हवाओं से बड़ी ठिठुरन,जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में मंगलवार दोपहर से शुरू हुई बूंदाबांदी और ठंडी हवाओं के चलते ठिठुरन काफी बढ़ गई, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया। अचानक बदले मौसम के कारण लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ा और आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मंगलवार दोपहर बाद आसमान में बादल छाने के साथ ही हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई। बारिश के साथ चली सर्द हवाओं ने ठंड का असर और तेज कर दिया। तापमान में गिरावट आने से लोग ठिठुरते नजर आए। बाजारों में आम दिनों की अपेक्षा कम भीड़ दिखाई दी और लोग जरूरी काम न होने पर घरों में ही दुबके रहे। ठंड और बूंदाबांदी का सबसे अधिक असर दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालकों, ठेला एवं रेहड़ी पटरी वालों पर पड़ा। ठंड के कारण कामकाज प्रभावित हुआ और उनकी आमदनी पर भी असर पड़ा। वहीं स्कूल जाने वाले बच्चों और बुजुर्गों को भी ठंड से काफी परेशानी उठानी पड़ी। शाम होते-होते ठंड और बढ़ गई, जिससे लोग अलाव और हीटर का सहारा लेते नजर आए। कई स्थानों पर लोगों ने आग जलाकर ठंड से बचाव किया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी मौसम की मार साफ दिखाई दी और लोग जल्दी ही अपने घरों में कैद हो गए। मौसम में आए इस अचानक बदलाव से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। चिकित्सकों ने लोगों को ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने, गर्म पेय पदार्थों का सेवन करने और अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। बूंदाबांदी और ठिठुरन भरी ठंड के चलते आसपास के क्षेत्रों में सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा और लोग मौसम खुलने का इंतजार करते नजर आए।

बेसिक शिक्षा विभाग के 721 अध्यापकों को चयन वेतनमान की स्वीकृति

अमरोहा (सब का सपना):- बेसिक शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं महानिदेशक स्कूल शिक्षा उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा दिए गए निदेर्शों के अनुपालन में जनपद अमरोहा के परिषदीय विद्यालय में कार्यरत प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के सहायक अध्यापकों का मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रक्रिया के अंतर्गत चयन वेतनमान स्वीकृति हेतु खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा प्राप्त कराई सूची के अनुसार विकास क्षेत्र अमरोहा के 162 अध्यापक ऑन विकास क्षेत्र जया के 188 अध्यापक को विकास क्षेत्र गजरौला के 136 अध्यापक को विकास क्षेत्र हसनपुर के 133 अध्यापकों एवं विकास क्षेत्र गंगेश्वरी में 102 अध्यापकों की 10 वर्ष की संतोषजनक सेवा पूर्ण होने पर पूर्ण पारदर्शिता के साथ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर मोनिका के द्वारा कुल 721 अध्यापकों को चयन वेतनमान की स्वीकृति प्रदान की गई है नगर क्षेत्र अमरोहा एवं नगर क्षेत्र की हसनपुर के कुल 14 अध्यापकों के चयन वेतनमान की स्वीकृति पूर्व में ही की जा चुकी है।

जिला संयुक्त चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने किया ध्वजारोहण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला संयुक्त चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की उपस्थिति में 77 में गणतंत्र दिवस पर ध्वजा रोहण किया गया उसमें मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा की सभी को अपने कार्य के प्रति समर्पित रहना है। यह हम सब का सौभाग्य है कि हम स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं और लोगों की सेवा का मौका हमें मिल रहा है।

गणतंत्र दिवस के मौके परमुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा एक टीम का गठन किया गया जिला संयुक्त चिकित्सालय अमरोहा के वार्डो का निरीक्षण किया गया जिसमें जिसमें टीम द्वारा वार्डों में साफ सफाई डॉक्यूमेंटेशन बायोमेडिकल वेस्ट इनफेक्शन कंट्रोल आदि का निरीक्षण किया गया और निरीक्षण के पश्चात सभी वार्डों में से जिसमें सबसे अच्छे अंक पाए गए फर्स्ट, सेकंड, और थर्ड स्थान प्राप्त करने वाले को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। जिसमें प्रथम स्थान एनआरसी वार्ड द्वितीय स्थान गायनी सर्जिकल वार्ड और तृतीय स्थान इमरजेंसी वार्ड में प्राप्त किया एवं अन्य वार्डो ने भी अच्छा कार्य प्रदान किया बाद में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ए के भंडारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेंद्र सिंह चिकित्सा अधीक्षक डॉ चरण सिंह डॉक्टर एके गुप्ता डॉ विनय भार्गव डॉ राजकुमार डॉ अश्वनी डॉक्टर मोहम्मद इकबाल डॉक्टर शशांक बस्सी डॉक्टर इकबाल हुसैन रिफाकत फरीदी प्रदीप कुमार चीफ फार्मासिस्ट ओम जगपाल चीफ फार्मासिस्ट गीता राजपूत (Metron) आदि आदि कर्मचारी एवं अधिकारी मौजूद रहे बाद में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक और मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मरीज को अस्पताल में फल वितरण किया गया और आखिर में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए प्रतिभोज का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन द्वारा कैम्प कार्यालय पर बड़े ही धूमधाम से बनाया गया गणतंत्र दिवस

गणतंत्र दिवस के अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम किए गए प्रस्तुत

बुढ़नपुर/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन द्वारा रविवार को अपने ही कैंप कार्यालय बुढ़नपुर बिजनौर उत्तर प्रदेश पर 77 वे गणतंत्र दिवस का उत्सव बड़े ही धूमधाम से बनाया गया। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा के नेतृत्व में कार्यकर्ता व पदाधिकारी द्वारा 77 वे गणतंत्र दिवस झंडा फहराया गया। और पदाधिकारी द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। और तिरंगे को सलाम किया गया। तथा और दिव्यांगों के साथ-साथ गणमान्य लोगों व समाजसेवी ने भी हिस्सा लिया। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के पदाधिकारी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने के बाद रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। तथा कार्यक्रम में अतिथि आए एसोसिएशन के पदाधिकारियों की कार्यक्रम को देख सराहना की। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर ने कहा कि सबसे पहले पूरे भारतवर्ष के राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के पदाधिकारियों को 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देना चाहता हूं। और उन्होंने कहा कि पूरे देश में गणतंत्र दिवस बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी पदाधिकारी का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर कोई उनका शोषण करता है बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद वसीम, मौड्ड शाहे आलम, मौ आजम अंसारी, मास्टर अफजाल, नसीम अहमद, इंतजाम, सितारे आलम, मास्टर शहजाद गोविंदपुर वाले,नकूल, सुशील, मौलाना इनामुल हक, रोहित कुमार, इकराम ठेकेदार, आदि कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

एसआरएस वर्ल्ड स्कूल में गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति का रंग

बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन, सराही गई विद्यालय की प्रगति

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नगर में रानी कामिनी सिंह द्वारा संचालित एसआरएस वर्ल्ड स्कूल निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों की देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।
कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने देशभक्ति गीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से संविधान, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रप्रेम का प्रभावशाली संदेश दिया। विद्यार्थियों का आत्मविश्वास और मंचीय प्रदर्शन सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य कुलदीप छाबड़ा उर्फ आयशा शेख एवं विद्यालय संचालिका रानी कामिनी सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बच्चों को संबोधित किया। वक्ताओं ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन से विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा, वहीं अभिभावकों ने बच्चों की प्रतिभा और विद्यालय के प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

घर के बाहर बैठे जीजा को साले ने मारी गोली

गोली लगने से जीजा गंभीर रूप से घायल

बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली शहर क्षेत्र से एक गांव से सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहाँ नवलपुर बैराज गांव में घर के बाहर बैठे एक व्यक्ति को उसके ही साले ने गोली मार दी। इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। जानकारी के अनुसार,सोमवार की शाम विशाल अपने घर के बाहर बैठा था, तभी उसके साले विशाल ने उसे जान से मारने के लिए उस पर फायरिंग कर दी। जिससे गोली लगने से विशाल लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। आनन-फानन में परिजनों ने घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद पीड़ित की पत्नी (आरोपी की बहन) ने अपने ही भाई के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। मामला आपसी रंजिश या पारिवारिक विवाद से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है।
पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की विस्तृत जांच-पड़ताल में जुटी है। इस घटना से गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम स्ट्रांग रूम एवं वीवीपेट वेयरहाउस का किया निरीक्षण

बिजनौर (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम संरक्षित एवं झंडापुर स्थित वीवीपेट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम स्ट्रांग रूम के बाहर लगे तालों की सील्ड्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ईवीएम सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था एवं अन्य सभी प्रकार की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित पाई गईं। स्ट्रांग रूम स्थित गार्ड रूम के निरीक्षण के दौरान उन्होंने सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी को सफाई व्यवस्था एवं रंगाई-पुताई कराने के निर्देश दिए। तदोपरांत जिलाधिकारी कौर ने झंडापुर स्थित वीवीपेट वेयरहाउस का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने यहां भी भूतल स्थित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के वीवीपेट कक्षों में लगे तालों की सील्ड्स आदि का मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सिक्योरिटी, विद्युत व्यवस्था, साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया, जो मानक के अनुरूप संचालित पाई गईं।
निरीक्षण के दौरान ईवीएम के रख रखाव व सुरक्षा के दृष्टिगत सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने अपनी सहमति जताई और सुरक्षा के इंतजाम देख कर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रमोद कुमार, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि कांग्रेस से अनिल कुमार एवं काजी आतिफ, बसपा से मुहम्मद सिद्दीक तथा सपा से अखलाक पप्पू सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

कुर्सी पर बैठाकर युवक को जड़े थप्पड, फिर पैर में मारी गोली

दिनदहाड़े दबंगई का लाइव प्रदर्शन, चांदपुर में कानून को खुली चुनौती

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर में शनिवार को जो हुआ, उसने न सिर्फ कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए, बल्कि इंसानियत को भी शर्मसार कर दिया। दिनदहाड़े एक युवक को जबरन कुर्सी पर बैठाकर अपमानित किया गया, उसके साथ थप्पड़ों और मारपीट का तमाशा किया गया और फिर बेहद बेरहमी से उसके पैर में गोली मार दी गई। इस सनसनीखेज वारदात का लाइव वीडियो अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है, जिसने पूरे इलाके में दहशत और गुस्से का माहौल पैदा कर दिया है। यह पूरी घटना थाना चांदपुर क्षेत्र के जमाईपुरा नई बस्ती की बताई जा रही है। पीड़ित युवक की पहचान मोहम्मद फैसल के रूप में हुई है, जो इस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली लगने के बाद फैसल दर्द से तड़पता रहा, जबकि हमलावर बेखौफ होकर मौके से फरार हो गए। पहले भाई को पीटा, फिर फैसल को निशाना बनाया। पीड़ित फैसल के मुताबिक, हमलावरों ने पहले उसके भाई के साथ लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की। जब फैसल अपने भाई को बचाने आगे आया, तो दबंगों का गुस्सा उस पर टूट पड़ा। फैसल ने बताया, ह्लमैं खाना खाकर मुगल गार्डन की तरफ जा रहा था। तभी आरोपियों ने मुझे रास्ते में रोक लिया, जबरन कुर्सी पर बैठाया, पहले थप्पड़ मारे, गालियां दीं, फिर तीन से चार राउंड फायरिंग की गई। एक गोली सीधे मेरे पैर में लगी। इस घटना को और भी भयावह बनाता है इसका वीडियो रिकॉर्ड होना। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह युवक को अपमानित किया जा रहा है और खुलेआम गोली चलाई जा रही है, वह भी बिना किसी डर के। इस गोलीकांड को करीब एक साल पुरानी रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। पीड़ित की तहरीर पर फैजान, शहजाद, सलमान, आरिफ चौधरी सहित अन्य लोगों के खिलाफ थाना चांदपुर में शिकायत दर्ज कराई गई है। घटना और वायरल वीडियो के बाद जमाईपुरा और आसपास के इलाकों में भय का माहौल है। लोग सहमे हुए हैं और खुलकर सवाल पूछ रहे हैं क्या अपराधियों को अब कानून का कोई डर नहीं? क्या दिनदहाड़े इस तरह गोली चलाना अब सामान्य हो गया है? और कब तक चांदपुर में दबंग खुलेआम कानून को चुनौती देते रहेंगे? फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। वायरल वीडियो को साक्ष्य के तौर पर खंगाला जा रहा है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है क्या इस वायरल वीडियो के बाद कानून सख्त कदम उठाएगा, या दबंगों की दबंगई यूं ही जारी रहेगी? चांदपुर की सड़कों पर आज सिर्फ खामोशी नहीं, इंसाफ की पुकार गूंज रही है।

धर्म व पहचान छिपाकर शादी के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह गिरफ्तार

दुल्हन बन कर करती थीं लाखों की चोरी, एसपी के निर्देशन में बड़ी कार्रवाई

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह तथा क्षेत्राधिकारी चन्दौसी मनोज कुमार के नेतृत्व में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना चन्दौसी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मंगलवार को थाना चन्दौसी पुलिस ने शादी के नाम पर ठगी व चोरी करने वाले गिरोह के तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में काजल उर्फ नूरजहाँ खातून, राजीव पुत्र नरेशपाल एवं पूजा उर्फ आयशा खातून पत्नी राजू शामिल हैं। यह कार्रवाई थाना चन्दौसी में पंजीकृत मुकदमे के तहत की गई। आपको बता दें पीड़ित रामजीमल पुत्र झण्डू निवासी ग्राम पतरौआ द्वारा दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया कि अभियुक्त भोले-भाले अविवाहित पुरुषों को शादी कराने का झांसा देकर, अपना धर्म व नाम छिपाकर, आपराधिक षड्यंत्र के तहत लड़कियों को बेचकर शादी कराते थे। शादी के बाद लड़कियां 5झ6 दिन ससुराल में रहकर कीमती सामान व नकदी चोरी कर फरार हो जाती थीं। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त राजीव व उसकी पत्नी काजल उर्फ नूरजहाँ ने बताया कि उन्होंने 22 दिसंबर को भोला की शादी आरती से 55 हजार रुपये लेकर कराई थी। इसके बाद 9 जनवरी को राजू की शादी पूजा उर्फ आयशा खातून से 53 हजार रुपये लेकर कराई गई। वहीं, परमेश से 75 हजार रुपये लेकर दूसरी पूजा नामक लड़की से तथा मोनू मिश्रा से 70 हजार रुपये लेकर ईशिका नामक लड़की से शादी कराई गई। 18 जनवरी को आरती ने भोला के घर से चांदी की पाजेब, चैन, अंगूठी और छह हजार रुपये चोरी किए। इसी तरह अन्य मामलों में भी दुल्हनों द्वारा घरों से कीमती सामान चोरी कर लिया गया। 20 जनवरी को राजू की पत्नी पूजा उर्फ आयशा खातून को चोरी के प्रयास के दौरान परिजनों ने पकड़ लिया। पूछताछ में पूजा उर्फ आयशा ने बताया कि उसका असली नाम आयशा खातून है, वह पश्चिम बंगाल की रहने वाली है और पहले से शादीशुदा है, उसके दो बच्चे हैं। वहीं काजल उर्फ नूरजहाँ खातून भी पहले से शादीशुदा थी और पहचान बदलकर हिन्दू बनकर राजीव से विवाह किया था। गिरोह का सरगना राजीव व काजल उर्फ नूरजहाँ हैं। पुलिस ने अभियुक्तों के पास से एक पीली धातु की अंगूठी, चांदी की पाजेब, पीली धातु की चैन व 4700 रुपये नकद बरामद किए हैं। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक महेशपाल सिंह द्वारा की जा रही है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कलेक्ट्रेट परिसर में झंडा रोहण कर समस्त जिला वासियों को 77 वें गणतंत्र दिवस की दीं शुभकामनाएं

बिजनौर (सब का सपना):- गणतंत्र दिवस आज पूरे जिले में बड़े हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया, जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा प्रातः ठीक 8.30 बजे कलैक्ट्रेट परिसर में झण्डा रोहण किया गया। तदोपरांत सामुहिक राष्ट्रगान का गायन तथा झंडा सलामी का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिलाधिकारी कौर ने कलेक्ट्रेट महात्मा विदुर सभागार में आयोजित समारोह में उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों को सामुहिक रूप से संकल्प ग्रहण कराया, उसके बाद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लेखराज सिंह तथा शहीद परिवार के परिजनों को शाल औढ़ा कर सम्मानित किया। जिलाधिकारी कौर ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों को 77 वें गणतंत्र दिवस एवं कल 25 जनवरी, 2026 को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत ट्रेनिंग एवं कैपेसिटी क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरस्कार उपलब्ध होने की शुभकामनाएं प्रदान कीं और उक्त पुरस्कार को एसआईआर कार्य में सहयोग उपलब्ध कराने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा जनपद वासियों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके कठिन परिश्रम, लगन एवं सहयोग के फलस्वरूप ही जिले को इस राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी 1950 को हमारा देश लोकतांत्रिक गणराज्य बना। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान है, हमें अपने संविधान पर गर्व होना चाहिए, जो देश के सभी नागरिकों को बराबरी, स्वतंत्रता एवं समान अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने परिवार और अपने समाज में देश के प्रति प्रेम और बलिदान की भावना को जागृत रखने के लिए प्रेरित करना है। हर नागरिक के मन में देशप्रेम की ज्योति प्रज्ज्वलित रहनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हम सभी सेवक के रूप में राष्ट्र की सेवा करें, राष्ट्र विकसित होगा, तभी हम सबका विकास होगा। हम सब का कर्तव्य है कि देश को गौरवशाली, सशक्त, समृद्ध और विकसित बनाने में अपना योगदान प्रदान करें। उन्होंने कहा कि हम जिस भी क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, वहां पूरी ईमानदारी, निष्ठा एवं कर्त्तव्य परायणता से अपने दायित्वों का निर्वहन करें, यही वीर सपूतों एवं शहीदों को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी और उनके सपनों के भारत का निर्माण होगा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी जसप्रीत कौर द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सामूहिक रूप से संकल्प दिलाते हुए कहा कि ह्लहम भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन पूर्व प्रशासनिक अधिकारी सलाहुद्दीन द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान राजकीय कन्या इण्टर कॉलेज की छात्राओं द्वारा देश भक्ति के सुंदर गीत प्रस्तुत किये गये। जिलाधिकारी द्वारा गीत प्रस्तुत करने वाली अध्यापिकाओं/छात्राओं को उपहार देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित, अपर जिलाधिकारी वि/रा वान्या सिंह, न्यायिक शरद पाल सिंह, डिप्टी कलेक्टर/ जिला सूचना अधिकारी हर्ष चावला सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कार्यालयों के सभी कर्मचारी मौजूद थे। तदोपरांत जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा पुलिस लाइन में गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। आज के गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री/राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश कपिल देव अग्रवाल की अध्यक्षता में स्थानीय पुलिस लाइन में परेड एवं सलामी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंत्री द्वारा परेड के बाद परेड में प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली पुलिस टुकड़ियों को सम्मानित किया गया तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लेखराज सिंह एवं शहीद पुलिस परिवार वीर नारियों को शाल औढ़ा कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शानदार सांस्कृतिक एवं देश प्रेम पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर आज 26 जनवरी को जनपद के समस्त शिक्षण संस्थाओं में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा राष्ट्रगान किया गया तथा समस्त शिक्षण संस्थान में खेल कूद, साइकिल रेस आदि का आयोजन, नाटक, विचार गोष्ठी, निबंध, लेखन की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ। दोपहर 1:00 बजे कुष्ठ आश्रम एवं जिला अस्पताल में फल वितरण कार्यक्रम, जनपद मुख्यालय स्थित सभी विद्यालयों के एनसीसी कैडेट, स्काउट गाइड इत्यादि द्वारा रूट मार्च का आयोजन तथा अपरान्ह में विकास भवन में विचार गोष्ठी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

यूजीसी बिल के विरोध में कलेक्ट्रेट पर सवर्ण समाज का प्रदर्शन

बिजनौर (सब का सपना):- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से जुड़े प्रस्तावित बिल के विरोध में सवर्ण समाज, सवर्ण आर्मी और क्षत्रिय राजपूत सभा समिति के सदस्यों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में जुटे प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और बिल को विद्यार्थियों के भविष्य के लिए घातक बताया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि उच्च शिक्षा में समानता के नाम पर लाया जा रहा यह बिल व्यावहारिक रूप से कई वर्गों के छात्रों के साथ अन्याय करेगा। उनका आरोप है कि इससे मेरिट प्रभावित होगी और योग्य छात्रों के अवसर सीमित होंगे। सवर्ण समाज के प्रतिनिधियों ने सरकार से बिल को तत्काल वापस लेने की मांग की। ज्ञापन में जातिगत आरक्षण समाप्त करने, एससी-एसटी एक्ट को खत्म करने और सवर्ण आयोग के गठन जैसी मांगें भी शामिल रहीं। प्रदर्शन के दौरान शोभा शर्मा ने कहा कि पहले से लागू कानूनों के रहते नए प्रावधानों की आवश्यकता समझ से परे है। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यवस्था में संतुलन नहीं है और झूठी शिकायतों पर कार्रवाई का प्रावधान स्पष्ट नहीं किया गया है। कार्यक्रम में कुंवर अभिषेक चौहान, पंकज शर्मा, महेंद्र सिंह, शेखर लियोन, रजत राजपूत, राहुल चौहान, सिद्धार्थ चंचल सहित कई संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन ने मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखी।

फ्यूचर में देशभक्ति के रंगों में सराबोर रहा गणतंत्र दिवस

बिल्सी/बदायूँ (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र अंतर्गत स्थित फ्यूचर लीडर्स स्कूल बिल्सी मैं गणतंत्र दिवस कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया ' स्कूल में 26 जनवरी का पावन पर्व केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति की जीवंत अनुभूति बनकर उभरा। विद्यालय परिसर तिरंगे की शान, देशभक्ति के नारों और राष्ट्रप्रेम की ऊर्जा से गूंज उठा। समारोह की शुरूआत विद्यालय के डायरेक्टर वी.पी. सिंह द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। जैसे ही राष्ट्रगान की पवित्र धुन गूंजी, पूरा वातावरण भावविभोर हो गया। विद्यार्थियों की आँखों में देश के प्रति समर्पण और सेवा का संकल्प स्पष्ट रूप से झलक रहा था। इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. राजीव सिंह, एडवोकेट राजेन्द्र

मौर्य, एडवोकेट प्रमोद कुमार सिंह सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों के उत्साह और अनुशासन की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों, मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों और ओजपूर्ण भाषणों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शिक्षकों की मार्गदर्शन में दी गई इन प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि आज के विद्यार्थी ही कल के सशक्त राष्ट्र निमार्ता हैं। विद्यालय के डायरेक्टर वी. पी. सिंह ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में संविधान, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और नागरिक कर्तव्यों का महत्व बताते हुए कहा कि भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि हमारी पहचान, हमारी आत्मा और हमारा गौरव है। उन्होंने विद्यार्थियों को नेतृत्व, अनुशासन और जिम्मेदारी के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। समारोह में विद्यालय के एम.डी. राहुल कुमार सिंह, प्रधानाचार्य रविन्द्र सिंह, एकेडमिक हेड सी. के. शर्मा सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। फ्यूचर लीडर्स स्कूल शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक दृष्टिकोण, नेतृत्व क्षमता और भविष्य की चुनौतियों– यहाँ तक कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विषयों के प्रति भी छात्रों को सजग कर रहा है।

यह गणतंत्र दिवस समारोह न केवल उत्सव था, बल्कि संविधान के प्रति श्रद्धा, राष्ट्र के प्रति समर्पण और सशक्त भारत के निर्माण का एक प्रेरक संकल्प बनकर सभी के हृदय में अंकित हो गया।

अज्ञात बहन ने युवक को मारी टक्कर, मौके पर मौत

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नूरपुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 28 वर्षीय युवक की जान चली गई। घटना धामपुर तिराहे के पास उस समय हुई, जब मंडोर गांव निवासी सुभाष पुत्र दिनेश कुमार पैदल किसी काम से जा रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि दिनेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से जानकारी जुटाई और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अज्ञात वाहन चालक की पहचान के

प्रयास किए जा रहे हैं और संभावित मार्गों पर लगे CCTV फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि वाहन और चालक का सुराग लगाया जा सके। परिजनों के अनुसार दिनेश कुमार मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। उसकी शादी करीब चार वर्ष पहले हुई थी और उसके दो छोटे बच्चे हैं। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अंमासु संगठन पदाधिकारियों ने जिला कार्यालय पर फहराया झंडा

बदायूं (सब का सपना):- अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन के पदाधिकारियों द्वारा गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर जवाहरपुरी गायत्री भवन स्थित जिला कार्यालय परिसर में झंडा फहराया गया ' इस दौरान जिला अध्यक्ष योगेश पुरी, सतीशचंद्र गुप्ता वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष कुंवरपाल शर्मा, जिला महामंत्री सीमा खान आदि के द्वारा सामूहिक झंडा फहराया गया जिला अध्यक्ष योगेश पुरी ने झंडा फहराकर मानवाधिकारों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान संगठन के कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की

शुरूआत संगठन के जिला पदाधिकारियों द्वारा विधिवत झंडारोहण के साथ हुई। उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य समाज के हर वर्ग के लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा पीड़ितों को न्याय दिलाने में सहयोग करना है। उन्होंने बताया कि संगठन लगातार शोषित, पीड़ित व जरूरतमंद लोगों की आवाज उठाने का कार्य कर रहा है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आज भी समाज में कई लोग अपने मूल अधिकारों से वंचित हैं, ऐसे में संगठन की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। पदाधिकारियों ने प्रशासन से भी अपील की कि मानवाधिकार से जुड़े मामलों में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष श्याम बिहारी, जिला उपाध्यक्ष राजेश शर्मा, जिला सचिव पंकज यादव, ब्लॉक अध्यक्ष खूब सिंह, सहाना, फरहीन खान, मीरा देवी, अनुपम, फराह खान, लक्ष्मी आदि सहित संगठन के कई सक्रिय सदस्य व स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मैदान में खड़े ट्रक में लगी अचानक आग केविन जला

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के स्योहारा क्षेत्र में मुरादाबाद रोड स्थित मिल तिराहे के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब टावर के समीप मैदान में खड़े एक ट्रक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और ट्रक का केबिन पूरी तरह उसकी चपेट में आ गया। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में केबिन जलकर लगभग राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक काफी देर से मैदान में खड़ा था। अचानक उसमें से धुआं

उठता दिखाई दिया और कुछ ही पलों में आग की लपटें निकलने लगीं। घटना को देख आसपास मौजूद लोग और पड़ोसी मौके पर पहुंचे और पानी व अन्य उपलब्ध साधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों की तत्परता के चलते आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे आग ट्रक के अन्य हिस्सों या आसपास के क्षेत्र में फैलने से बच गई। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन ट्रक के केबिन को भारी नुकसान पहुंचा है। आग से प्रभावित ट्रक नूरपुर निवासी शमीम अहमद का बताया जा रहा है। घटना के बाद कुछ देर तक क्षेत्र में तनाव और भीड़ का माहौल रहा, लेकिन स्थिति जल्द ही सामान्य हो गई।

रिजर्व पुलिस लाइन बहजोई में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

राज्य मंत्री गुलाब देवी ने किया ध्वजारोहण, भव्य परेड व सम्मान समारोह का आयोजन

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सोमवार को जनपद की रिजर्व पुलिस लाइन, बहजोई में गणतंत्र दिवस समारोह परंपरागत रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पुलिस लाइन के भव्य परेड ग्राउंड में रैतिक परेड का आयोजन किया गया, जिसकी सलामी एवं ध्वजारोहण मुख्य अतिथि गुलाब देवी, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) माध्यमिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया। ध्वजारोहण से पूर्व जिलाधिकारी सम्भल डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार द्वारा परेड का मान प्रणाम ग्रहण किया गया। परेड की कमान पुलिस उपाधीक्षक यातायात दीपक कुमार ने मुख्य कमांडर तथा प्रतिसार निरीक्षक अशोक कुमार ने द्वितीय कमांडर के रूप में संभाली। इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान के प्रति निष्ठा का संकल्प दिलाया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्य मंत्री गुलाब देवी ने जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए समाज के सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है। हमारे पूर्वजों ने स्वतंत्रता के समय जो सपने देखे थे, उन्हें साकार करना हम सभी का कर्तव्य है। सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रदान किए जाने वाले पदकों के अंतर्गत जनपद से चयनित 17 अधिकारी एवं कर्मचारियों को अति उत्कृष्ट सेवा पदक, सराहनीय सम्मान चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही पुलिस विभाग में कार्य करते हुए वीरगति को प्राप्त एवं देश की सीमा की रक्षा में शहीद हुए जवानों के परिजनों को शाल एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस समारोह में जनपद न्यायाधीश, मुख्य विकास अधिकारी सम्भल, अपर जिलाधिकारी, समस्त अपर पुलिस अधीक्षक, उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पत्रकार बंधु सहित बड़ी संख्या में नागरिक, महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।

बेसिक शिक्षा विभाग में निपुण विद्यालय आकलन

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य परियोजना कार्यालय सम्राट शिक्षा लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्राप्त निदेशों के क्रम में जनपद के 70 परिषदीय प्राथमिक कंपोजिट विद्यालय कक्षा एक व 2 में अध्यनरत छात्र-छात्राओं के भाषा एवं गणित विषय के अधिगम स्तर का मूल्यांकन निपुण मूल्यांकन ऐप पर डाइट बुढनपुर के 70 डी.एल.एड प्रशिक्षण के द्वारा किया गया। विकासखंड अमरोहा के तीन विद्यालयों में निपुण मूल्यांकन ऐप में तकनीकी की कमी के कारण

मूल्यांकन नहीं किया जा सका। निपुण विद्यालय आकलन हेतु प्रत्येक विद्यालय से कक्षा एक व दो में अध्यनरत छात्राओं में से अधिकतम 12 - 12 छात्र-छात्राओं के अधिगम स्तर का मूल्यांकन किया जाना है। निपुण विद्यालय आंकलन दिनांक 13 फरवरी 2026 तक प्रत्येक कार्य दिवस में किया जाएगा। जिसका तिथि वार रोस्टर जारी किया गया है। दिनांक 27 जनवरी 2026 को कक्षा 1 से 2 के कुल 849 छात्र-छात्राओं के अधिगम स्तर का आकलन किया गया है कक्षा एक व दो के छात्र-छात्राओं की औसत उपलब्धि 96% रही।

ए.एस. एम मॉडर्न एकेडमी खाता गणतंत्र दिवस पर बच्चों में दिखा उत्साह

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में ए.एस. एम मॉडर्न एकेडमी खाता में 26 जनवरी को 77 वा गणतंत्र दिवस अत्यंत उत्साह के साथ मनाया गया। जिसमें बच्चों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा देश के प्रति अपने प्रेम को प्रदर्शित किया। बच्चों ने अनेक देशभक्ति गीतों तथा नृत्य के द्वारा देश के लिए अपने प्राणों की कुबार्नी देने वाले अमर शहीदों को याद किया । कार्यक्रम में सारा ,अवनी, शुभ ,शगुन, मानवी ,भूमिका, रीवा ,दक्ष, समायरा

,वैष्णवी ,श्रद्धा ,लव ,नूर ए मिन्ह ,आदि बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रधानाचार्य आभा रस्तौगी ने कहा कि देश को परतंत्रता की बेड़ियों से आजाद कराने वाले शहीदों के हम सदा आभारी रहेंगे तथा उनके कर्ज को उतारना असंभव है ।

प्रबंधक वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने भी बच्चों को देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले शहीदों का सदा सम्मान करने तथा देश की प्रगति में अपना सहयोग देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन अंकित कुमार तथा संजीव चौधरी ने किया ।

मनरेगा बचाव चौपाल का आयोजन, मजदूरों के अधिकारों की रक्षा का लिया संकल्प

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत पचाक में मंगलवार को मनरेगा बचाव चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की रक्षा करना एवं ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण मजदूर, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, स्थानीय कार्यकर्ता एवं योजना के लाभार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मुख्य वक्ता के रूप में जिला अध्यक्ष हाजी आरिफ तुर्की ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना ग्रामीण भारत की रीढ़ है, जिसे वर्ष 2006 में कांग्रेस सरकार द्वारा गरीब परिवारों को 100 दिनों का गारंटीड रोजगार देने के उद्देश्य से लागू किया गया था। यह योजना न केवल बेरोजगारी से लड़ने का माध्यम बनी, बल्कि इसके जरिए गांवों में सड़क निर्माण, जल संरक्षण, तालाब खुदाई, वृक्षारोपण एवं अन्य विकास कार्यों को भी गति

मिली। हाजी आरिफ तुर्की ने कहा कि मनरेगा महात्मा गांधी की विरासत है, जो ग्रामीण मजदूरों को सम्मानजनक रोजगार और न्यूनतम मजदूरी का अधिकार देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में केंद्र की मोदी सरकार द्वारा मनरेगा योजना के स्वरूप में बदलाव किए जा रहे हैं, बजट में कटौती हो रही है और काम के अवसर कम किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण मजदूरों का जीवन संकट में पड़ गया है। उन्होंने कहा कि यह चौपाल कार्यक्रम इन्हीं नीतियों के खिलाफ एकजुटता दिखाने और जागरूकता फैलाने का माध्यम है। जिला अध्यक्ष ने मांग की कि मनरेगा के तहत प्रत्येक परिवार को 100 दिनों का रोजगार सुनिश्चित किया जाए, मजदूरी का समय पर डिजिटल भुगतान हो, बजट में किसी प्रकार की कटौती न की जाए तथा योजना के नाम और स्वरूप में कोई बदलाव न किया जाए। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, वृक्षारोपण और बुनियादी ढांचे से जुड़े अधिक से अधिक कार्य शुरू किए जाएं। चौपाल में पार्टी के अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे। ग्रामवासियों ने अपनी समस्याएं सामने रखीं, जिस पर हाजी आरिफ तुर्की ने आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी इस संघर्ष को हर स्तर पर जारी रखेगी और मजदूरों की आवाज दिल्ली तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि मनरेगा बचाओ संग्राम अब केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि गरीबों के अस्तित्व की लड़ाई बन चुका है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने एक स्वर में मनरेगा बचाओ, गरीबों का हक बचाओ के नारे लगाए और संविधान व मनरेगा की रक्षा का संकल्प लिया। इस दौरान वीरवती द्वारा जिला अध्यक्ष को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक अध्यक्ष होम सिंह एवं मनोज भास्कर की देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष साहू संजीव कुमार, जिला उपाध्यक्ष डी.के. वाल्मीकि, जिला उपाध्यक्ष सलीम सैफी, सुनील कुमार शर्मा, सफी सैफी, कोस्तुभ रस्तोगी, इरशाद भाई, मुशर्रफ हुसैन, नोमान अंजार तुर्की, सतेंद्र सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिस की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति फेज-05' अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं,बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है।

साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया ।

भारतीय टीम चौथे टी20 में भी जीत की लय बनाये रखने उतरेगी

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टी20 क्रिकेट मैच में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले तीन मैचों में जीत के साथ ही सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त अपने नाम कर ली है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ है और वह वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। भारतीय टीम बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी कीवी टीम पर भारी पड़ी है। भारतीय टीम इस मैच में सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन को तीसरे नंबर पर उतार सकती है। इसका कारण है कि सैमस पहले तीन मैचों में पारी की शुरुआत करते हुए असफल रहे हैं। उनकी जगह ईशान किशन को अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत का अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम की ओर से अभी तक कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा अभिषेक शर्मा सहित अन्य बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा है पवर स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। ऐसे में अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम इनके फार्म में आने की उम्मीद करेगी।

कुलदीप ने अबतक दो मैचों में केवल दो विकेट लिए हैं। उन्होंने प्रति ओवर 9.5 रन लुटाए। पिछले मैच में भी कुलदीप ने तीन महंगे ओवर किए जिनमें उन्होंने 32 रन दिए पर अन्य गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या के अच्छे प्रदर्शन से भारतीय टीम ने विरोधी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर जीत हासिल की। कुलदीप इससे पहले एकदिवसीय सीरीज में भी प्रभावित नहीं कर पाए थे, जिसमें उन्होंने तीन मैचों में तीन विकेट लिए थे।

वरुण को पिछले मैच में आराम दिया गया था पर पहले दो मैच में भी उनकी गेंदबाजी बेअसर रही। ऐसे में ये भी हो सकता है कि इस मैच में रवि बिश्नोई ही उतरें। बिश्नोई ने पिछले मैच में 18 रन देकर दो विकेट लिए थे। इस मैच में वापसी कर रहे ऑलराउंडर अक्षर पटेल उतरते हैं तो उनकी फिटनेस पर भी सबकी नजरें रहेंगी। वह उंगली में चोट के कारण पिछले दो मैचों से बाहर थे।

भारतीय टीम चाहेगी कि इस मैच से उसके स्पिनर भी लय हासिल कर लें जहां तक बल्लेबाजी की बात है टीम शीर्ष पर बनी हुई है। भारत की बल्लेबाजी पिछले दोनो ही मैचों में आक्रामक रही है। उसने दूसरे और तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में काफी तेजी से रन बनाकर जीत दर्ज की है। इस मैच में भी यही कहानी रह सकती है। इस श्रृंखला में सीरीज में केवल सैमसन ही असफल रहे हैं। वह तीन मैचों में 5.33 की औसत से 16 रन ही बना पाए हैं जिससे टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए हैं पर तिलक वर्मा के बाहर होने से उन्हें इस मैच में भी बनाये रखने की उम्मीदें हैं।

वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड टीम अब तक इस सीरीज में भारतीय टीम के सामने टिक नहीं पायी है। उसके बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। वहीं गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर पाये हैं। तेज गेंदबाज जेकब डफी के अलावा मैट हेनरी , काइल जैमीसन के अलावा स्पिनर मिचेल सैंटनर भी विफल रहे हैं। अब बचे हुए दो मैचों में कीवी टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज बेहतर प्रदर्शन कर टी20 विश्वकप से पहले लय हासिल करने का प्रयास करेंगे।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह।

न्यूजीलैंड: मिशेल सेंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में बड़ा उलटफेर, एलिना ने कोको गॉफ का विजय रथ रोका

मेलबर्न (एजेंसी)। विश्व की 12वीं नंबर की खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने मंगलवार को विश्व की तीसरी नंबर की खिलाड़ी और दो बार की ग्रैंड स्लैम विजेता कोको गॉफ को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के अपने पहले सेमीफाइनल में जगह बनाई। 19 बार की डब्ल्यूटीए टूर-स्तरीय विजेता, जिन्होंने अभी तक अपना पहला ग्रैंड स्लैम नहीं जीता है, ने अपनी जीत की राह में एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबलेंका के खिलाफ मुकाबले के लिए जगह पक्की कर ली है।

इस जीत के साथ, एलिना ने अपनी जीत का सिलसिला 10 मैचों तक बढ़ा दिया है। क्वार्टरफाइनल में हुए एकतरफा मुकाबले में उन्होंने गॉफ को सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से हराया। यह ग्रैंड स्लैम में उनका चौथा सेमीफाइनल है और ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहला। उनके नाम विंबलडन में दो और यूएस ओपन में एक सेमीफाइनल का रिकॉर्ड है। एलिना, जिन्होंने 2025 में ÷स्वस्थ होने और ऊर्जा प्राप्त करने÷ के लिए अपना सीज़न समय से पहले समाप्त कर दिया था, 31 वर्षीय खिलाड़ी वापसी के बाद से शानदार फॉर्म में हैं।

उन्होंने इस महीने की शुरुआत में ऑकलैंड में अपना 19वां खिताब जीता और अपने करियर की तीसरी सबसे लंबी जीत की लय पर हैं (2017 में उन्होंने लगातार 15 मैच जीते थे, और 2025 में उन्होंने लगातार 11 मैच जीते), जैसा कि डब्ल्यूटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर बताया गया है। उन्होंने अब तक केवल एक सेट गंवाया है, जो ऑकलैंड क्वार्टरफाइनल में सोनाय कार्टल के खिलाफ था। इस जीत के साथ उन्होंने अक्टूबर 2021 के बाद पहली बार डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी की है।

उन्होंने डब्ल्यूटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा कि बुरा नहीं, बिल्कुल भी बुरा नहीं। मातृत्व अवकाश के बाद शीर्ष 10 में वापसी करना हमेशा से मेरा सपना रहा है, यही मेरा लक्ष्य रहा है। इससे पहले, सबलेंका ने 18 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी इवा जोविक के ऑस्ट्रेलियन ओपन के शानदार सफर को चकनाचूर कर दिया और रॉड लेवर एरिना में 90 मिनट से भी कम समय में 6-3, 6-0 से जीत हासिल की।

सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

मेलबर्न । बेलारुस की महिला टेनिस स्टार एरिना सबालेंका जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। सबालेंका ने क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका कीइवा जोविक को 6-3, 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ये मैच तेज गरमी में खेला गया। सबालेंका ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और पहले सेट में ही 3-0 की बढ़त बना ली। अमेरिकी खिलाड़ी ने वापसी का प्रयास किया पर असफल रही। कीइवा ने नौवें गेम में ब्रेकअंक के तीन अवसर हासिल किये पर सबालेंका ने अपना दबदबा बनाये रखा। वहीं दूसरे सेट में सबालेंका ने दो अंक लेकर 5-0 की बढ़त बनाई और जैच जीत लिया। सबालेंका ने मैच के कहा, पिछले कुछ दौर में मुझे उभरती खिलाड़ियों से कड़ संघर्ष के बाद जीत मिली। ये मैच भी उन्हीं में से एक था। इस प्रकार के मुकाबले खेलने से ही खेल का स्तर बढ़ता है।

टी20 मुकाबले दिन में कराये जायें : अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि टी20 क्रिकेट मुकाबले दिन के समय होने चाहिये। अभी ये मुकाबले रात में होते हैं। अश्विन ने कहा कि आने वाले समय में मैचों को दिन में रखने से गेंदबाजों को भी सहयता मिलेगी जिससे गेंद और बल्ले के बीच संतुलन बना रहेगा। अश्विन ने कहा कि अभी रात में मैच होने से बल्लेबाज हावी रहते है और बड़ा लक्ष्य भी हासिल कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में भारतीय टीम ने 200 रनों से अधिक का लक्ष्य पांच ओवर पहले ही हासिल कर लिया। जिससे समझा जा सकता है कि ओस के दौरान गेंदबाजी करना कितना कठिन होता है। ऐसे में मैच में गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं रह जाता है।

अश्विन ने कहा कि ओस के कारण गेंदबाजों के लिए असर डालना असंभव सा होता है। अश्विन ने पर कहा, 'भारत की बल्लेबाजी के दौरान न्यूजीलैंड के गेंदबाज निराश दिखे थे। ऐसी ओस में टीमों को खेलने के भेजना सहीं नहीं है। ऐसे हालात में क्रिकेट कौशल की जरूरत ही नहीं पड़ती।,' वहीं अगर इन्हीं पिचों पर दोपहर में मैच खेले जायें तो 150 से 170 रन भी मुश्किल से बनें।' अश्विन के अनुसार ओस के कारण अच्छी गेंद पर भी रन बन जाते हैं। इसलिए इस प्रकार के असंतुलन' को हटाना जरुरी हैं। दिन और रात में विकेट में काफी अंतर होता है। भारत में ऐसा होता ठीक नहीं है। बहुत ही गलत है अच्छी गेंद पर भी रन बन जाते हैं और गेंदबाजों के पास कोई विकल्प नहीं बचता। बल्ले और गेंद के बीच का असंतुलन काफी रहता है।,'

अश्विन ने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि न्यूजीलैंड अपनी गेंदबाजों में बदलाव के लिए नहीं बढ़ेगा क्योंकि वह जानता है कि गेंदबाजों के हाथ में ज्यादा कुछ नहीं था। वहीं कई बार ऐसा होता है कि टीमें इस प्रकार के माहौल में हालात नहीं देखते हुए खिलाड़ी को बाहर कर देती हैं। इस दौरान ये नहीं देखा जाता कि खिलाड़ी के हाथ में कुछ नहीं था।

जोस बटलर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, इस मुकाम तक पहुंचने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने

कोलंबो (श्रीलंका) (एजेंसी)। अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर 400 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले दूसरे इंग्लैंड खिलाड़ी बन गए हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने मंगलवार को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। 35 वर्षीय खिलाड़ी दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन से ठीक पीछे हैं जिन्होंने इंग्लैंड के लिए सभी फॉर्मेट में सबसे ज्यादा मैच खेले हैं।

विश्व क्रिकेट के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक एंडरसन ने थ्री लायंस के लिए 401 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस महान क्रिकेटर ने सभी फॉर्मेट में 991 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर बटलर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 14 शतकों के साथ 12291 रन बनाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में बटलर ने 57 मैचों और 100 पारियों में 31.94 की औसत से 2907 रन बनाए हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने सबसे लंबे फॉर्मेट में दो शतक और 18 अर्धशतक बनाए हैं। वनडे में बटलर ने 198 मैचों और 171 पारियों में 39.11 की औसत से 5515 रन बनाए हैं। 35 वर्षीय खिलाड़ी ने 11 शतक और 29 अर्धशतक बनाए हैं।

टी20आई में बटलर ने 144 मैचों और 132 पारियों में 35.49 की औसत से 3869 रन बनाए हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने 1 शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। दो बार ICC व्हाइट-बॉल खिताब जीत चुके बटलर आगामी ICC पुरुष टी20 विश्व कप 2026 का भी हिस्सा हैं, जो 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा है। इंग्लैंड ने आगामी ICC टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक को कप्तान बनाया गया है। इंग्लैंड 8 फरवरी को नेपाल के खिलाफ अपने टी20 वर्ल्ड कप 2026 अभियान की शुरुआत करेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए इंग्लैंड टीम

हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, सैम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, जोश टंग, ल्यूक वुड।

पीसीबी प्रमुख नकवी ने बांग्लादेश को विश्वकप बहिष्कार के लिए भड़काया : राजीव शुक्ला

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को टी20 विश्कवप का बहिष्कार करने के लिए उकसाया था। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने आरोप लगाया है कि इस सब के पीछे पीसीबी प्रमुख मोहसिन नक़वी हैं। नकवी ने ही बीसीबी को भारत में नहीं खेलने के लिए भड़काया था। टी20 विश्वकप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। बंग्लादेश बोर्ड ने सुरक्षा कारणों से भारत में इस टूर्नामेंट को खेलने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उसकी जगह पर स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल कर लिया था। शुक्ला ने कहा कि पीसीबी ने इस मामले में एक प्रकार से साजिश की है। उन्होंने कहा, पीबीबी ने बिना किसी कारण के इस मामले में बांग्लादेश को भड़कायाहै। पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान ने पूर्व में बांग्लादेश के लोगों पर क्या अत्याचार किए हैं और अब वे उन्हें गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, जो पूरी तरह गलत है। शुक्ला ने साफ कहा कि बीसीसीआईद्ध चाहती थी कि बांग्लादेश टूर्नामेंट में खेले। हम चाहते थे कि बांग्लादेश खेले और हमने उन्हें पूरी सुरक्षा का आश्वासन भी दिया था प जब उन्होंने यह फैसला ले लिया, तो अंतिक समय पर कार्यक्रम में बदलाव करना संभव नहीं था। इसी वजह से स्कॉटलैंड को शामिल किया गया।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में वैभव सूर्यवंशी का तूफान, जिम्बाब्वे के खिलाफ ठोका शानदार अर्धशतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर अपने आक्रामक खेल से सुर्खियों में आ गए हैं। अंडर-19 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए अहम मुकाबले में वैभव ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाज़ी करते हुए शानदार अर्धशतक जड़ा। उनकी यह पारी भले ही शतक में नहीं बदल सकी, लेकिन भारत को मजबूत शुरुआत दिलाने में निर्णायक साबित हुई। लगातार दूसरे मैच में फिफ्टी लगाकर वैभव ने यह साफ कर दिया है कि वह इस टूर्नामेंट में भारत के सबसे अहम बल्लेबाजों में से एक हैं।

पावरप्ले में वैभव का आक्रामक तेवर

बुलवायों में खेले जा रहे इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे के गेंदबाज़ों पर दबाव बना दिया। उन्होंने बिना समय गंवाए बड़े शॉट खेलने शुरू किए और मैदान के चारों ओर रन बटोरे। उनकी बल्लेबाज़ी में आत्मविश्वास और आक्रामकता साफ झलक रही थी, जिससे जिम्बाब्वे की टीम बैकफुट पर चली गई।

30 गेंदों में 52 रन, स्ट्राइक रेट ने मचाया धमाल

वैभव ने इस मैच में सिर्फ 30 गेंदों का सामना करते हुए 52 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से चार चौके और चार लंबे छक्के निकले। 173.33 के स्ट्राइक रेट से खेली गई यह पारी टी20 अंदाज़ की याद दिलाने वाली थी, जिसने भारत को तेज़ शुरुआत दी। जब वैभव आउट हुए, तब टीम का स्कोर 101 रन था, जिसमें आधे से ज़्यादा रन अकेले उनके खाते में थे।

एरॉन जॉर्ज और कप्तान आयुष म्हात्रे का योगदान

वैभव के साथ पारी की शुरुआत करने वाले एरॉन जॉर्ज ने भी शुरुआती ओवरों में तेज़ बल्लेबाज़ी की। उन्होंने 16 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाए, जिससे भारत की रनगति बनी रही। इसके बाद कप्तान आयुष म्हात्रे क्रीज पर आए और उन्होंने 19 गेंदों में 21 रन जोड़े। अपनी पारी में कप्तान ने एक चौका और दो छक्के लगाए। हालांकि, कप्तान के आउट होने के तुरंत बाद वैभव भी पवेलियन लौट गए, जिससे भारत को एक साथ दो झटके लगे।

वर्ल्ड कप में दूसरा अर्धशतक, लगातार दिखा दम

जिम्बाब्वे के खिलाफ यह अर्धशतक वैभव सूर्यवंशी का अंडर-19 वर्ल्ड कप में दूसरा अर्धशतक रहा। इससे पहले उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ भी शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए 72 रन बनाए थे। उस पारी में उन्होंने 67 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाए थे। हालांकि वह पारी अपेक्षाकृत धीमी थी, लेकिन उसमें शतक की पूरी उम्मीद नजर आ रही थी।

अनिश्चितता ही वैभव की सबसे बड़ी ताकत

वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाज़ी की सबसे बड़ी खासियत उनकी अनिश्चितता है। जिस अंदाज़ में वह शॉट्स खेलते हैं, उससे गेंदबाज़ और फील्डर दोनों ही अंदाज़ा नहीं लगा पाते कि अगली गेंद पर क्या होने वाला है। यही वजह है कि वह विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखते हैं।

महिला प्रीमियर लीग अंक तालिका में आरसीबी शीर्ष पर बरकरार

नवी मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम पिछले दो मैचों में मिली हार के बाद भी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में नंबर एक पर बनी हुई है। टीम को अबतक पांच जीत मिली है। आरसीबी ने पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है हालांकि लीग चरण के अंतिम दो मुकाबलों में उसे हार मिली थी। इससे टीम का फाइनल तक का प्रवेश बाधित हुआ है। हालांकि अभी भी टीम अंक तालिका में सबसे ऊपर है। अन्य कोई टीम अभी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी है। अब तक आरसीबी के सबसे अधिक 10 अंक हैं। वहीं दूसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस के 6 अंक पर पर ये उसने 7 मैचों में हासिल किये हैं। गुजरात जायंट्स के भी 6 अंक हैं पर नेट रन रेट मुम्बई का अधिक होने के कारण वह दूसरे नंबर पर है। गुजरात तीसरे और दिल्ली कैपिटल्स चौथे नंबर पर है। दिल्ली की टीम भी 6 में से 3 मुकाबले जीतकर तीसरे नंबर पर है। वहीं यूपी वॉरियर्स 6 में से 2 ही मुकाबले जीतकर अंतिम स्थान पर है। अब यूपी वॉरियर्स के पास प्लेऑफ के लिए जगह बनाने का अंतिम अवसर है पर इसके लिए यूपी को अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे। इनमें से उसका एक मैच आरसीबी और एक मैच दिल्ली के खिलाफ है। अभी आरसीबी के क्वालीफाई करने के बाद भी चारों टीमों के पास प्लेऑफ में जगह बनाने का अवसर है। इसमें दूसरे और तीसरे नंबर की टीम को एलिमिनेटर खेलना है, जबकि शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी।

एचआईएल 2025-26: हॉकी इंडिया लीग फाइनल में कलिंगा लांसर्स की जीत, दूसरी बार बने चैंपियन

भुवनेश्वर (एजेंसी)। हॉकी इंडिया लीग (HIL) 2025-26 का खिताब ने अपने नाम कर लिया। भुवनेश्वर में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में लांसर्स ने रांची रॉयल्स को 3-2 से हराकर दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। घरेलू दर्शकों के सामने खेले गए इस मुकाबले में बेल्जियम के ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने शानदार प्रदर्शन किया।

अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स की चमक, दिलप्रीत ने दिया अहम योगदान

फाइनल में अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स (4वें और 27वें मिनट) ने दो शानदार गोल दागकर कलिंगा लांसर्स की जीत की नींव रखी। इसके अलावा दिलप्रीत सिंह (25वां मिनट) ने रिबाउंड पर तेजी दिखाते हुए गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई।

रांची रॉयल्स की ओर से अराइजीत सिंह हुंडाल (9वां मिनट) और कप्तान टॉम बून (59वां मिनट) ने गोल किए, लेकिन टीम जीत तक नहीं पहुंच सकी।

तेज़ रफ्तार से शुरू हुआ फाइनल मुकाबला

फाइनल मैच की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। दोनों टीमों ने शुरुआती मिनटों से ही लगातार सर्कल एंट्री बनाईं। चौथे मिनट में कलिंगा लांसर्स को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर हेंड्रिक्स ने ताकतवर ड्रैग-फ्लिक से गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई।

हुंडाल का शानदार जवाब, स्कोर हुआ बराबर

हालांकि लांसर्स की बढ़त ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी। नौवें मिनट में यशदीप सिवाच ने लेफ्ट फ्लैंक से शानदार पास निकाला, जिसे अराइजीत सिंह हुंडाल ने बेहतरीन कंट्रोल के बाद गोल में तब्दील कर स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में लांसर्स का दबदबा

दूसरे क्वार्टर में कलिंगा लांसर्स ने लगातार दबाव बनाया और कई पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। 25वें मिनट में हेंड्रिक्स के ड्रैग-फ्लिक को गोलकीपर सूरज करकेरा ने रोका, लेकिन दिलप्रीत सिंह ने रिबाउंड पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए गोल दाग दिया।

इसके दो मिनट बाद ही हेंड्रिक्स ने एक और सटीक ड्रैग-फ्लिक के जरिए स्कोर 3-1 कर दिया और लांसर्स हाफ टाइम तक मजबूत स्थिति में पहुंच गए।

दूसरे हाफ में रांची की जोरदार वापसी की कोशिश

ब्रेक के बाद रांची रॉयल्स ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा और संयम के साथ वापसी की कोशिश की। 36वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान टॉम बून का शॉट पहले रशर ने रोक दिया। तीसरे क्वार्टर के अंत में हुंडाल को गोल का बेहतरीन मौका मिला, लेकिन कलिंगा लांसर्स के गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने शानदार बचाव कर टीम को राहत दी।

आखिरी क्वार्टर में पाठक बने दीवार

चौथे क्वार्टर में खेल लगभग पूरी तरह कलिंगा लांसर्स के हाफ में सिमट गया। रांची रॉयल्स ने लगातार हमले किए, लेकिन कृष्ण बहादुर पाठक ने सैम लेन, टॉम बून और नीलम संजीप ज़ेस के शॉट्स को रोकते हुए कई बेहतरीन सेव कीं।

59वें मिनट में टॉम बून ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर स्कोर 3-2 किया, लेकिन समय की कमी के चलते रांची बराबरी नहीं कर सकी।

कलिंगा लांसर्स का दूसरा HIL खिताब

यह कलिंगा लांसर्स का दूसरा हॉकी इंडिया लीग खिताब है। इससे पहले टीम ने 2017 में भी चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। दिन के पहले मुकाबले में हैदराबाद तूफान्स ने HIL GC को 4-3 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

HIL 2025-26 के व्यक्तिगत पुरस्कार

फेयरप्ले अवॉर्ड: HIL GC

बेस्ट गोलकीपर ऑफ द टूर्नामेंट: प्रिंस दीप सिंह (तमिलनाडु ड्रैगन्स)

इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट: तालिम प्रियबर्ता (HIL GC)

टॉप स्कोरर ऑफ द टूर्नामेंट: टॉम बून (19 गोल)

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट: अमनदीप लकरा (हैदराबाद तूफान्स)

स्कॉटलैंड ने टी20 विश्वकप के लिए घोषित की टीम, बेरिंगटन करेंगे कप्तानी

एडिनबर्ग। स्कॉटलैंड ने अगले माह होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश के विश्वकप से हटने के बाद स्कॉटलैंड को शामिल किया है। इस टूर्नामेंट में स्कॉटलैंड की कप्तानी रिची बेरिंगटन करेंगे। 15 सदस्यीय टीम के साथ ही जैस्पर डेविडसन और जैक जार्विस को ट्रैवल रिजर्व के तौर पर रखा गया है। वहीं मैकेंजी जोन्स, क्रिस मैकब्राइड, चार्ली टियर नॉन ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर टीम में रखे गये हैं। स्कॉटलैंड की टीम को बांग्लादेश की जगह पर टूर्नामेंट के ग्रुप सी में रखा गया है। इस ग्रुप में स्कॉटलैंड के साथ वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, इटली और नेपाल की टीमें भी शामिल हैं। स्कॉटलैंड को अपने सभी लीग मैच भारत में खेलने हैं। टीम को तीन मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स क्रिकेट स्टेडियम में जबकि उसका अंतिम आखिरी लीग मैच मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा. टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड को 7 फरवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में दोपहर 3:00 बजे से खेलना है। वहीं 09 फरवरी को इटली से भी कोलकाता में ही खेलना है पर ये मैच सुबह 11 बजे शुरु होगा। वहीं उसका 14 फरवरी को इंग्लैंड से मुकाबला भी कोलकाता में दोपहर तीन बजे से होगा। उसका अंति मैच 17 फरवरी को कोलकाता में नेपाल के खिलाफ शाम 7 बजे से होगा।

टीम इस प्रकार है : रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस, ब्रैडली करी, ओलिवर डेविडसन, क्रिस ग्रीव्स, ज़ैनुल्लाह इहसान, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, फिनले मैकक्रीथ, ब्रैंडन मैकमुलन, जॉर्ज मुन्सी, सफयान शरीफ, मार्क वाट, ब्रैडली व्हील।

ट्रैवलिंग रिजर्व प्लेयर : जैस्पर डेविडसन, जैक जार्विस।

नॉन ट्रैवलिंग रिजर्व प्लेयर : मैकेंजी जोन्स, क्रिस मैकब्राइड, चार्ली टियर।

'सैयारा' फेम अहान पांडे से कंपैरिजन पर क्या बोले अहान शेट्टी?

पिछले साल अहान पांडे ने मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही। अहान पांडे एक चंकी पांडे के भतीजे और अनन्या पांडे के कजिन हैं। जल्द ही सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी भी फिल्म 'बॉर्डर 2' से अपनी तकदीर दोबारा लिखेंगे। इससे पहले उन्होंने छह साल पहले एक फिल्म 'तड़प' की थी। हाल ही जब अहान शेट्टी का कंपैरिजन, अहान पांडे से हुआ तो उन्होंने इस बारे में अपना नजरिया बताया। साथ ही पिता सुनील शेट्टी की एक सलाह का भी जिक्र किया।

क्या बोले अहान शेट्टी?

इंटरव्यू में अहान शेट्टी कहते हैं, 'आज लोग सिर्फ 2 से 3 मिनट की क्लिप देखकर ही रिएक्ट कर देते हैं। मैं जानता हूं कि मेरे और अहान पांडे के बीच कंपैरिजन हो रहा है। मैं अहान पांडे को जानता हूं। यह भी जानता हूं कि उसने फिल्म 'सैयारा' के लिए कितनी मेहनत की थी। हमारे बीच कोई रेस नहीं है। हम दोनों के अलग-अलग करियर हैं। हम दोनों एक-दूसरे की रेस्पेक्ट करते हैं। हम सब एक ही इंडस्ट्री का हिस्सा हैं लेकिन सोशल मीडिया के दौर में लोगों को एक-दूसरे का सपोर्ट नहीं दिखता है।'

अहान शेट्टी की डेब्यू फिल्म 'तड़प' नहीं चली थी। इसके बाद वह किसी फिल्म में नजर नहीं आए। अब छह साल बाद 'बॉर्डर 2' का हिस्सा बने हैं। ऐसे में पिता की एक सीख को वह काफी अहमियत देते हैं। वह बताते हैं कि पिता और अभिनेता सुनील शेट्टी ने फिल्मी दुनिया की एक कड़वी सच्चाई उन्हें बताई। अहान शेट्टी कहते हैं, 'पापा ने कहा था बाकी किसी फील्ड में जब आप गिरते हो तब आप दोबारा खड़े हो सकते हो। लेकिन जब आप फिल्मी दुनिया में गिरते हो, असफल होते हो तो तब दुनिया की नजर आपके ऊपर होती है। लोग आपको महसूस कराते हैं कि आप कुछ भी नहीं हो। लोगों को लगता है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के हीरो नासमझ हैं। लेकिन यह सच नहीं है। हम भी स्मार्ट लोग हैं।'

अपनी ही फिल्म 'लईकी लईका' में सरप्राइज देंगी राशा थडानी

फिल्म 'लईकी लईका' में राशा थडानी, मुंज्या फेम अभिनेता अभय वर्मा के साथ नजर आएंगी। फिल्म से मेकर्स ने पहला गाना 'छाप तिलक' रिलीज किया। खुद राशा ने भी इस गाने के रिलीज होने की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फैंस के साथ शेयर की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इस गाने में क्या खास है?

सिंगर बनीं राशा

फिल्म के इस पहले गाने 'छाप तिलक' की खास बात यह है कि एक्ट्रेस राशा ने खुद गाया है। इस गाने के जरिए राशा ने बतौर सिंगर डेब्यू किया है। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया। फिल्म के इस पोस्टर में राशा हुडी पहने नजर आ रही हैं। पोस्टर पर एक तरफ पंजाब के शहर फरीदकोट का नाम लिखा हुआ है वहीं दूसरी तरफ राशा का नाम लिखा है। राशा ने अपने इस कदम से फैंस को बता दिया कि वो एक मल्टीटैलेंटेड एक्ट्रेस हैं।

इसी साल रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 'लईकी लईका' के पोस्टर हाल ही में रिलीज हुए हैं। इसे सौरभ गुप्ता ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म की कहानी प्यार, दर्द और भरोसे पर केंद्रित होगी। यह इसी साल मार्च-अप्रैल में रिलीज होगी।

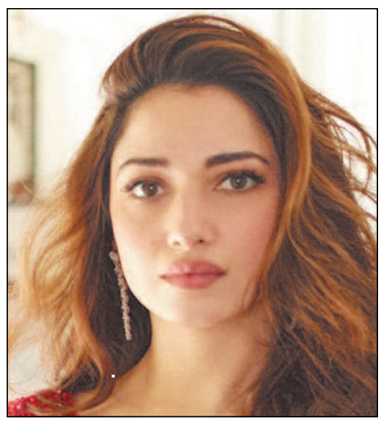

तमन्ना ने किया सपोर्ट

राशा की इस पोस्ट पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने स्वीट रिएक्शन देते हुए लिखा- 'मैं इसका और इंतजार नहीं कर सकती।' इतना ही नहीं, तमन्ना ने राशा को सपोर्ट करते हुए एक इंस्टा स्टोरी भी साझा की। इसमें उन्होंने राशा के लिए लिखा- 'छुपी रुस्तम, क्या कमाल गाना गा रही हो..'

गोलमाल 5 पर रोहित और अजय ने शुरू किया काम, मुंबई में तैयार किए जा रहे हैं भव्य सेट्स

रोहित शेट्टी और अजय देवगन ने ने आने वाले दो वर्षों के लिए एक ठोस सिनेमाई रोडमैप तैयार कर लिया है। इस प्लान का सबसे अहम पड़ाव है सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइज की अगली किस्त गोलमाल 5, जिस पर अब आधिकारिक तौर पर काम शुरू हो चुका है। फिल्म सिर्फ एक और सीक्वल नहीं, बल्कि फ्रेंचाइज को नए स्तर पर ले जाने की कोशिश मानी जा रही है। यही वजह है कि इसकी तैयारी पेपर से निकलकर सीधे बड़े स्तर पर प्रैक्टिकल एक्जीक्यूशन में बदल चुकी है। इस बार रोहित ने अपनी पुरानी शूटिंग स्ट्रैटेजी में भी बड़ा बदलाव किया है। गोवा या रामोजी फिल्म सिटी के बजाय गोलमाल 5 का बेस मुंबई फिल्म सिटी रखा गया है। यहां फिल्म के लिए कैफे, पुलिस स्टेशन और एक भव्य हवेली जैसे कई सेट्स बनाए जा रहे हैं, जिन पर तेजी से काम चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, ये सभी सेट्स अगले महीने तक तैयार हो जाएंगे। फरवरी 2026 के अंत से फिल्म की रेगुलर शूटिंग शुरू होगी, ताकि लंबे मैराथन शेड्यूल को बिना रुकावट पूरा किया जा सके।

इस बार कहानी में एक फीमेल विलेन की भी होगी एंट्री

फिल्म की मुख्य स्टारकास्ट में इस बार अजय के साथ अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपदे और कुणाल क्येमू की वापसी लगभग तय मानी जा रही है, लेकिन इस बार सबसे बड़ा सरप्राइज शरमन जोशी की वापसी है, जो करीब 19 साल बाद गोलमाल फ्रेंचाइज में लौट रहे हैं। इसके अलावा, स्क्रिप्ट में एक और बड़ा बदलाव किया गया है। इस बार कहानी में एक फीमेल विलेन को अहम भूमिका दी गई है।

धमाल 4 में कॉमेडी के साथ एक्शन भी दिखेगा

अजय के करियर के लिहाज से साल 2026 बेहद व्यस्त और अहम रहने वाला है। गोलमाल 5 के अलावा उनके पास दृश्यम 3, धमाल 4 और जगन शक्ति के निर्देशन में बन रही एक्शन फिल्म रेंजर भी लाइनअप में है। दृश्यम 3 की रिलीज 2 अक्टूबर 2026 के लिए तय मानी जा रही है, जबकि धमाल 4 में इस बार कॉमेडी के साथ बड़े स्तर का एक्शन देखने को मिलेगा। इंडस्ट्री में इसे कॉमेडी फ्रेंचाइज का अब तक का सबसे महंगा और टेक्निकली चैलेंजिंग पार्ट है।

तान्हाजी 2 पर भी प्लानिंग जारी, रोहित करेंगे सिम्बा 2 या सूर्यवंशी 2 पर फोकस

गोलमाल 5 की रिलीज के बाद रोहित शेट्टी का पूरा फोकस अपने बहुचर्चित कॉप यूनिवर्स के अगले चैप्टर पर होगा। चर्चा है कि 2027 में सिम्बा या सूर्यवंशी के अगले भाग पर काम शुरू हो सकता है। वहीं अजय भी अपनी ऐतिहासिक फिल्म तान्हाजी 2 को लेकर शुरुआती स्तर पर प्लानिंग कर रहे हैं। इसका पहला पार्ट ओम राउत ने निर्देशित किया था। फिलहाल यह साफ नहीं है कि इस बार भी ओम ही निर्देशन करेंगे या नहीं।

नयनतारा ने की मर्दानी 3 के ट्रेलर की तारीफ

रानी मुखर्जी अपनी अपकमिंग फिल्म मर्दानी 3 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया है। फिल्म के ट्रेलर को साउथ की मशहूर एक्ट्रेस नयनतारा ने देखा है और इसकी तारीफ की है। उन्होंने इसका ट्रेलर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी शेयर किया है। मर्दानी 3 के ट्रेलर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए नयनतारा ने लिखा सिर्फ एक ही रानी है, वह है रानी मुखर्जी। यह ट्रेलर वाकई आग लगाने वाला है। आपकी तरह कोई नहीं है। मैं इस फिल्म का इंतजार कर रही हूं। इसके साथ उन्होंने दिल और फायर वाला इमोजी बनाया है।

कैसा है मर्दानी 3 का ट्रेलर?

फिल्म मर्दानी 3 रानी मुखर्जी की मशहूर फिल्म सीरीज मर्दानी का तीसरा पार्ट है। इस फिल्म में रानी एक निडर पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में वापस आ रही हैं। ट्रेलर में एक डार्क और सीरियस कहानी दिखाई गई है जो क्राइम, दर्द और लापता लड़कियों के बारे में है। ट्रेलर पर दर्शकों ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे बहुत भावुक और असरदार बताया है।

कब रिलीज होगी मर्दानी 3?

मर्दानी 3 में मल्लिका प्रसाद विलेन के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है। यह फिल्म 30 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कोहरा 2 में दिखाई देंगी मोना सिंह

कोहरा की अपार सफलता के बाद अब इसका दूसरा सीजन कोहरा 2 दर्शकों के लिए आ रहा है। मेकर्स ने हाल ही में इसकी ओटीटी रिलीज डेट की घोषणा की है। सीरीज 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। यह सीरीज केवल नेटफ्लिक्स पर ही उपलब्ध होगी। इस बार सीरीज में नया ट्विस्ट है। पहली बार दर्शकों ने बरुण सोबती को असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर अमरपाल गरुंडी के किरदार में देखा था। अब वे फिर से अपने किरदार में लौट रहे हैं। उनके साथ इस सीजन में मोना सिंह नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका में दिखाई देंगी। नया पोस्टर भी साझा किया। पोस्टर के कैप्शन में आइए इस नए शहर में सच को ढूंढें। इसके साथ मेकर्स ने कोहरा 2 का लिखा है... धुंध में सच खो जाता है।

राम गोपाल वर्मा ने धुरंधर 2 और टॉक्सिक के क्लैश को लेकर किया पोस्ट

राम गोपाल वर्मा ने हाल ही में आदित्य धर की फिल्म धुरंधर की तारीफ की थी। वहीं आज राम गोपाल वर्मा ने यश की फिल्म टॉक्सिक और रणवीर सिंह की धुरंधर 2 की एक ही दिन में रिलीज को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। निर्देशक ने इसे धुरोक्सिक नाम देते हुए दोनों फिल्मों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

कैसा होगा दो फिल्मों का टकराव?

राम गोपाल वर्मा ने रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 और यश की फिल्म टॉक्सिक के बीच 19 मार्च 2026 को होने वाले बड़े बॉक्स ऑफिस टकराव पर अपनी राय दी है। उन्होंने एक्स पर अपनी राय शेयर की है। निर्देशक ने इसे मजेदार नाम दिया है- धुरोक्सिक। निर्देशक ने लिखा कि यह सिर्फ दो फिल्मों की रिलीज का टकराव नहीं, बल्कि यह भारतीय सिनेमा का प्रलय का दिन होगा।

कैसी होगी धुरंधर 2

राम गोपाल वर्मा ने धुरंधर 2 को लेकर लिखा, धुरंधर 2 एक यथार्थवादी सिनेमा है। इसमें कहानी असली जिंदगी पर आधारित है। हिंसा इसलिए होती है क्योंकि जरूरत है, न कि सिर्फ दिखावे के लिए। हीरो एक आम इंसान है, जो वक्त आने पर गलती कर सकता है, घायल हो सकता है और हार भी सकता है। फिल्म दर्शकों को भावनाओं से जोड़ती है।

टॉक्सिक को लेकर राय

वहीं कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक को लेकर राम गोपाल वर्मा ने लिखा, यह बहुत अवास्तविक फिल्म है क्योंकि इसमें स्टाइल और कूलनेस पहले आती है और लॉजिक बाद में। हिंसा सिर्फ एटीट्यूड दिखाने के लिए है। हीरो बुलेटप्रूफ है, कभी हारता नहीं, दुनिया उसकी पूजा करती है। फिल्म दर्शकों को सिर्फ एक्साइटमेंट देना चाहती है, गहरी भावनाएं नहीं। कैमरा हीरो को भगवान जैसा दिखाने की कोशिश करता है।

19 मार्च को होगा फिल्मों का फैसला

19 मार्च को धुरंधर 2 और टॉक्सिक रिलीज के बाद कई सवालों का जवाब देंगी। राम गोपाल वर्मा ने लिखा, क्या आज भी लोग अंधेरे, स्लो-मोशन में चलने वाले हीरो को पसंद करेंगे? या फिर सिर्फ तमाशा दिखाने वाली हिंसा को लोग स्वीकार करेंगे? उन्होंने आगे लिखा, दोनों फिल्में साथ देखना ऐसा होगा जैसे एक तरफ युद्ध का मैदान हो और दूसरी तरफ फैशन शूट। एक फिल्म (धुरंधर) दिल को छूती है और दूसरी (टॉक्सिक) सिर्फ कैमरे के लिए पोज देती है।

सच्चाई और स्टाइल में किसकी होगी जीत?

राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, दोनों फिल्मों के बीच जो टकराव है, वो सच्चाई और स्टाइल को लेकर है। राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, इससे शायद दक्षिण भारतीय फिल्मों वाली नायक पूजा (हीरो को भगवान बनाने की परंपरा) का अंत शुरू हो सकता है। दर्शक अब भगवान नहीं, बल्कि आम इंसान वाला हीरो चाहते हैं। या फिर उल्टा भी हो सकता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।